RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:59 ता. 28 अगस्त 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नदी में गिरी किसानों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली

35 किसान थे सवार, 22 डूबे, हरदोई से लौट रहे थे, 13 लोग तैरकर बाहर आए

हरदोई। बड़ा हादसा हो गया है। यहां 35 लोगों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर पुल से 35 फीट नीचे गर्रा नदी में जा गिरी। हादसे में 22 लोग डूब गए हैं, जबकि 13 लोग तैर कर बाहर निकल आए हैं। किसान पाली निजामपुर पुलिया मंडी से खीरा बेचकर लौट रहे थे। सभी वेगराजपुर के रहने वाले हैं। घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे की है। हादसा ट्रैक्टर के आगे का बायां पहिया निकलने से हुआ है। डूबे लोगों की गोताखोर तलाश कर रहे हैं। रऋक्र और ठऋक्र टीम भी रेस्क्यू करने जुट गई हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। चीनी मिल रूपापुर के कर्मचारी भी हाइड्रा मशीन के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। आसपास के गांव के लोग भी मदद करने के लिए मौके पर हैं। ट्रैक्टर मिल गया है। मगर, गहराई ज्यादा होने की वजह से अभी तक उसे निकाला नहीं जा सका है। हालांकि ट्रॉली का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शी श्याम सिंह ने बताया, "मेरे सामने अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर की टक्कर रेलिंग से हुई थी। ट्रैक्टर तो आगे निकल गया, लेकिन ट्राली नीचे गर्रा नदी में जाकर गिर गई। उस समय ट्राली में 35 लोग बैठे थे। ट्रैक्टर पर बैठे सारे लोग सुरक्षित हैं। कुछ लोग तैर कर भी बाहर आए हैं।" नदी से तैरकर बाहर आए राम रईस कहते हैं, "मैं वह मंजर कभी भूल नहीं पाऊंगा। आंखों के सामने मौत नजर आ रही थी। हवा में ही फैसला कर लिया था कि हमें कैसे बचना है। ट्रैक्टर का बोनट पानी में बाद में छुआ, उससे पहले मैं कूदकर पानी के अंदर चला गया। ताकि ट्रॉली घूम कर इनके ऊपर ना आ जाए। इस बीच हवा में ही लंबी सांस भी खींच ली थी, क्योंकि मालूम था कि अंदर काफी गहराई तक जाना पड़ेगा। फिर लगभग 15 फीट तैरकर बाहर आया। किसी तरह से जान बच पाई। रामधुनी, राकेश, लालाराम, देवेंद्र, अजयपाल, रहीश, रईस, पिंटू, सुनील, गोस, पारस, राम सिंह और रघुनाथ तैरकर बाहर निकल आए।

प्रयागराज में राजस्व टीम और पुलिस पर पथराव

प्रयागराज। जमीन का कब्जा दिलाने गई राजस्व टीम और पुलिस पर विपक्षियों ने पथराव कर दिया। घटना में दो पुलिसकर्मी और पीड़ित पक्ष के 10 लोग घायल हो गए है। सूचना मिलते ही हंडिया, उतरांव, सरायममरेज तीन थानों की फोर्स पहुंची। इसके बाद एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल, तीन एसओ भी पहुंचे। कुल 50 पुलिसकर्मी ने स्थिति को नियंत्रण में किया। घटना हड़िया तहसील के चक अब्दुल्ला गांव की है। हंडिया के चक अब्दुल्ला गांव के राघव प्रसाद यादव अपने पुश्तैनी जमीन पर मकान का निर्माण कर रहे थे। जिसके बाद विपक्षी साधु भारतीय की ओर से उनके मकान निर्माण में बाधा डाला जा रहा था। पीड़ित ने मामले लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद न्यायालय से आदेश के बाद उप जिलाधिकारी द्वारा टीम को भेजकर जमीन की नाप कराई गई। उसके बाद भी विपक्षी पीड़ित को उसका मकान निर्माण नहीं करने दे रहे थे। पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से मामले की शिकायत की थी। शिकायत के बाद आज यानी शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी के आदेश पर थानाध्यक्ष की ओर से पुलिस बल मुहैया कराया गया था। जिसके बाद मौके पर पहुंची राजस्व और पुलिस टीम पर विपक्षियों ने पथराव कर दिया। घटना में पीड़ित परिवार के 10 लोग और दो पुलिसकर्मी को चोटें आई है। वहीं एसपी गंगा पार अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि आज संपूर्ण समाधान दिवस पर पुलिस और राजस्व टीम द्वारा जमीन के मामला का निस्तारित कराना था। उसके पूर्व ही विपक्षियों द्वारा पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिए। जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उनका मेडिकल कराया जा रहा है।

कांग्रेस एक डूबता जहाज: फडणवीस

आजाद ने उठाए वाजिब मुद्दे

नई दिल्ली। लंबे समय तक कांग्रेस से जुड़े रहे गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। इस पर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और वर्तमान में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस को 'डूबता हुआ जहाज' बताते हुए कहा कि गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस से बाहर निकलते समय वाजिब मुद्दे उठाए। नागपुर हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को पता है कि इस डूबते हुए जहाज को बचाया नहीं जा सकता, वे इस स्थिति से बचने के लिए अलग-अलग फैसले ले रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 'मुझे लगता है कि आजाद द्वारा उठाए गए कुछ सवाल वैध थे। हालांकि, यह उनका आंतरिक मामला है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।' गौरतलब है कि मराठा संगठन संभाजी ब्रिगेड के साथ शिवसेना ने गठबंधन करने का फैसला लिया है। शिवसेना के इस फैसले पर भी देवेंद्र फडणवीस ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब किसी के विनाश या पतन का समय आता है, तो कोई बुद्धिमानी से सोचने में विफल रहता है। गौरतलब है कि दशहरा नजदीक आने के साथ ही शिवसेना के दोनों धड़ों के त्योहार के दौरान वार्षिक रैली के लिए अनुमति लेने की संभावना है। शिवसेना पारंपरिक रूप से मुंबई के दादर के शिवाजी पार्क मैदान में दशहरा रैली करती है। इसे लेकर सवाल, क्या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी समूहों को मुंबई में रैली के लिए अनुमति दी जाएगी पर फडणवीस ने कहा कि आयोजनों को अनुमति नियमों के अनुसार दी जाएगी। इस सरकार में नियमें का उल्लंघन नहीं होने दिया जाएगा। गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वो काफी लंबे समय से पार्टी की नीतियों को लेकर नाराज चल रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे पांच पृष्ठ के त्यागपत्र में आजाद ने कहा कि वह भारी मन से यह कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले ह्यकांग्रेस जोड़ो यात्रा निकाली जानी चाहिए थी।

मनीष सिसोदिया के घर सीबीआई की छापेमारी के खिलाफ आप कार्यकताओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास पर सीबीआई की छापेमारी के विरोध में शनिवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं का आक्रोश सड़कों पर देखने को मिला। इस दौरान आप कार्यकताओं ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बता दें कि हाल ही में शराब नीति को लेकर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के घर पर सीबीआई ने छापेमारी की थी। मनीष सिसोदिया ने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा था कि यह भाजपा की केंद्र सरकार के इशारे पर ये हुआ है, भाजपा अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता से घबरा गई है। दरअसल एलजी ने दिल्ली के सचिव की एक रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। 8 जुलाई को यह रिपोर्ट भेजी गई थी। जिसमें पिछले साल लागू की गई आबकारी नीति पर सवाल उठाए गए थे। जिसमें आबकारी नीति (2021-22) बनाने और उसे लागू करने में लापरवाही बरतने के साथ ही नियमों की अनदेखी और नीति के कार्यान्वयन में गंभीर चूक के आरोप हैं। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ निविदा को अंतिम रूप देने में अनियमितताएं और चुनिंदा विक्रेताओं को टेंडर के बाद लाभ पहुंचाना भी शामिल है। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि शराब बेचने की वालों की लाइसेंस फीस माफ करने से सरकार को 144 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आबकारी मंत्री के तौर पर मनीष सिसोदिया ने इन प्रावधानों की अनदेखी की है। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने 7 अगस्त को आबकारी नीति में भ्रष्टाचार और नीति लागू करने में बरती गई अनियमितताओं के आरोप में 11 अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

भूपेंद्र चौधरी बोले: लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी सीटें जीतेगी बीजेपी

अखिलेश-जयंत और मायावती को बताया बरसाती मेंढक

मेरठ। सर्किट हाउस पहुंचे प्रदेश के पंचायती राज मंत्री और नवनियुक्त भाजपा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि आगामी 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जा रहे कार्यों पर जनता का विश्वास है। जनता का भाजपा से गठबंधन है, इसलिए हम उनके आशीर्वाद से हर चुनाव में जीत दर्ज करते आ रहे हैं। किसानों के मामले पर बोलते हुए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गन्ना मूल्य को लेकर हमारी सरकार लगातार गंभीर है। हमारी सरकार ने चीनी मिलों की क्षमता को बढ़ाया है, लेकिन विपक्ष के कार्यकाल में चीनी मिलें चलती नहीं थी जिससे गन्ना मूल्य भुगतान का दबाव बढ़ता रहता था।

अखिलेश यादव, चौधरी जयंत सिंह और मायावती पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सभी बरसाती मेंढक हैं। यह सिर्फ चुनाव के समय बाहर निकलते हैं और उसके बाद जनता के बीच नहीं दिखाई देते। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा हमेशा चुनावी मोड में रहती है। उन्होंने कहा कि सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद ही मैं बूथ स्तर तक सभी योजनाओं को लेकर जाऊंगा और कार्यकताओं के बीच संवाद करूंगा। जिससे आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी को एक बार फिर से देश का प्रधानमंत्री बनाया जा सके। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम क्षेत्र में सात सीटों पर मिली हार के प्रश्न पर बोलते हुए भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी सरकार इस मामले में गंभीर है। उन्होंने कहा कि हमने इसके लिए लोकसभा प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। जिससे वहां की जनता को एक-एक कर योजनाओं को समझा कर हार के कारणों का पता लगाया जा सके। इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मवाना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत प्रचारक विनोद की माता के निधन पर उनके आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। भूपेंद्र सिंह चौधरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कस्बा मवाना पहुंचे। यहां उन्होंने आरएसएस के सह प्रांत प्रचारक विनोद के आवास पर उनकी माता ईश्वरी (97) के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि यह हमारे निजी परिवार में दुखद घटना हुई है। परिवार में शोक संवेदना प्रकट करने आया हूं। इस दुखद घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने के लिए पार्टी की तरफ से राज्यमंत्री दिनेश खटीक, सोमेंद्र तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष विमल शर्मा, पार्टी के वरिष्ठ लोग साथ खड़े हैं। भूपेंद्र सिंह चौधरी यहां पर सिर्फ 11 मिनट रुके।

झारखंड: दो बसों में बिठाकर रवाना किए गए महागठबंधन विधायक, बंगाल या छत्तीसगढ़ शिफ्ट करने की तैयारी

नई दिल्ली। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधायकी पर आयोग्यता का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में सरकार में सेंधमारी के डर से सत्ताधारी गठबंधन के विधायकों को पश्चिम बंगाल या छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में शिफ्ट किया जा सकता है। शनिवार को सीएम हेमंत सोरेन के आवास पर हुई महागठबंधन विधायकों की बैठक के बाद उन्हें दो बसों से दूसरी जगह ले जाया गया। इससे पहले विधायकों को अपने साथ सामान लाने को कहा गया था। विधायकों को खूंटी जिले के लतरातू बांध के पास लाया गया। यूपीए विधायकों के साथ सीएम सोरेन भी मौजूद हैं। भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। मामले में मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि सभी मंत्री और विधायक एक साथ हैं। हम दूसरी जगहों पर भी जाएंगे, पता नहीं हम आगे कहां जाएंगे। अभी कई चीजें चल रही हैं। इस बीच खबर आ रही है कि छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक होटल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सीमा की सुरक्षा में भारत पूरी तरह सक्षम, मेजर ने बताई भारतीय सेना की सच्ची ताकत

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में भारत की सीमा पर सेना के जवान मुस्तैद हैं। भारतीय सेना के सैनिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बुनियादी ढांचे और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। सेना के जवान राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करते हैं, ऐसे में उनका पूरा फोकस अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बुनियादी ढांचे और सुरक्षा पर रहता है। यह कहना है मेजर राजेश ठाकरे का। मेजर राजेश ठाकरे ने बताया कि हम हथियारों और उपकरणों की नवीनतम तकनीक से लैस हैं। नियोजित कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए हम फ्रंटलाइन स्तर तक पूरी तैयार हैं। हमारे बीच का तालमेल भी बहुत ही अच्छा है, जो किसी भी खतरे से निपटने या किसी भी योजना को पूरा करने के लिए काफी है। उत्कृष्ट कनेक्टिविटी के कारण हम अंतिम पोस्ट तक उपग्रह डेटा तक पहुंचा सकते हैं। मेजर ठाकरे ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास हमारी मातृभूमि की रक्षा के लिए सरकार द्वारा की गई विशाल प्रगति की सच्ची गवाही है। हम 21 वीं सदी की सेना हैं और सीमा रेखा पर शांति और शांति बनाए रखने का कार्य कर रहे हैं। हम अपने गौरव और हौसले को कभी कम नहीं होने देंगे। चीन की सीमा से लगा भारत का पहला गांव काहो में भारत सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने और मॉडल गांव तैयार करने के लिए काम कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि भारत की तरफ से यह आखिरी गांव है और चीन की तरफ से पहला। वैसे तो इधर 116 लोग रहते हैं लेकिन कुछ लोग बाहर चले गए हैं इसलिए यह संख्या थोड़ी कम हो गई है।

एड्स मरीजों की जीवन रक्षक दवाइयों का अकाल, एएसआई ने सरकार को चेताया

नई दिल्ली। देश में एड्स मरीजों की जीवन रक्षक दवाइयों के अकाल पर एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया (एएसआई) ने केंद्र सरकार को आगाह किया है कि जल्द दवाइयों की आपूर्ति बहाल की जाए। वरना, न केवल एड्स उन्मूलन की दिशा में लगातार जारी कठिन प्रयास प्रभावित होगा, बल्कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2030 तक एड्स को खत्म करने का लक्ष्य हासिल करने में भी कठिनाई होगी। एएसआई के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर गिलाडा ने बताया कि देश में बीते दो महीने से एड्स की दवाइयों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। ऐसे में उन मरीजों की तकलीफें बढ़ जाएंगी। देश में रिट्रो वायरल थेरेपी (एआरटी) के 1050 सरकारी केंद्र और कई प्राइवेट केंद्र हैं। लेकिन एआरटी केंद्रों पर लगातार दवाइयों का अभाव बना हुआ है। इसको लेकर दिल्ली में बीते 36 दिन से डेल्ही नेटवर्क फॉर पॉजिटिव पीपुल से जुड़े लोग धरने पर बैठे हैं। डब्ल्यूएचओ ने 2030 तक दुनिया से एड्स उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। पांच मार्च 1986 में मुंबई के जेजे अस्पताल में एड्स का देश का पहला क्लीनिक चलाने वाले डॉ. गिलाडा कहते हैं कि अगर, एड्स के मरीज नियमित दवा का सेवन करते रहे तो एचआईवी वायरस नियंत्रण में रहेगा और नए मरीज नहीं आने से 2030 तक एड्स पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसलिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) से अपील है कि मरीजों कि मरीजों को दवाइयां जल्द उपलब्ध कराए। एड्स के मरीज यदि अधिक दिनों तक दवा का सेवन नहीं कर सकेंगे, तो उन्हें रेजिस्टेंट टेस्ट कराना पड़ेगा जो काफी खचीर्ला है। इससे मरीज पर 15 से 20 हजार रुपये का आर्थिक भार बढ़ जाएगा। डॉ गिलाड़ा कहते हैं कि फिलहाल, एड्स के मरीजों के लिए 20 प्रकार की दवाइयां हैं जिसमें से तीन दवाइयों डेलुटेग्राविर, टेनोफोविर और लेमिवुडीन (टीएलडी) के लगातार सेवन की सलाह दी जाती है। लेकिन अधिक दिनों तक दवा के सेवन नहीं करने वाले मरीजों पर इन दवाइयों के बेअसर होने का खतरा है। ऐसे में रेजिस्टेंट टेस्ट रिपोर्ट के अनुरूप दवाइयां दी जा सकेगी। ऐसी स्थिति में मरीज को बेवजह आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े बताते हैं कि देश में 17 लाख एचआईवी संक्रमित मरीज हैं, जिसमें से 14 लाख लोग जीवन रक्षक दवाइयां ले रहे हैं।

सार समाचार

बदला लेने के इरादे से मजदूर ने ठेकेदार पर पेट्रोल छिड़ककर लगा दी आग, हालत नाजुक

नोएडा (उप्र)। दनकौर क्षेत्र के नवादा गांव निवासी एक ठेकेदार पर उसके साथ काम करने वाले मजदूर ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। ठेकेदार को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। दनकौर के थाना प्रभारी निरीक्षक राधा रमन सिंह ने बताया कि ठेकेदार सुलेद्र की पत्नी शशि ने दनकौर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका पति सुलेद्र मकान बनाने का काम करता है और ठेकेदार है। गांव में काम के दौरान 26 अगस्त को बिन्नी नामक मजदूर से उसका विवाद हो गया था। रिपोर्ट में ठेकेदार की पत्नी ने आरोप लगाया है कि इसी से क्रोधित होकर बिन्नी ने बदला लेने के इरादे से सुलेद्र पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। सिंह ने कहा कि अत्यंत गंभीर हालत में सुलेद्र को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है और आरोपी मजदूर की तलाश की जा रही है।

गुजरात: भुज शहर के गांव में साम्प्रदायिक तनाव के बाद पुलिस बल तैनात

भुज (गुजरात)। गुजरात के कच्छ जिले में भुज शहर के समीप माधापुर गांव में शुक्रवार शाम को साम्प्रदायिक तनाव के बाद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि माधापुर भूकंप पीड़ितों की याद में बनाए गए 'स्मृति वन' स्मारक से महज चार किलोमीटर दूर स्थित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को इस स्मारक का उद्घाटन करेंगे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक समुदाय के सदस्यों ने दूसरे समुदाय पर हमला किया तथा उनकी दुकानें और प्रार्थना स्थल में तोड़फोड की। उन्होंने बताया कि भुज के बाहरी इलाके में माधापुर का रबारी समुदाय परेश रबारी नामक एक युवक की हत्या को लेकर आक्रोशित था। उन्होंने बताया कि रबारी की एक झगड़े में शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। सूत्रों ने बताया कि युवक के अंतिम संस्कार से लौटते वक्त गुस्साई भीड़ ने दुकानों तथा एक प्रार्थना स्थल में तोड़फोड़ की। हालांकि, जल्द ही हालात काबू में कर लिए गए। कच्छ-पश्चिम के पुलिस अधीक्षक सौरभ सिंह ने कहा, ''स्थिति नियंत्रण में है। हम इस वक्त ज्यादा कुछ जानकारी नहीं दे सकते।

सिद्धू मूसेवाला के गाने पर नाचते दिखे भारत-पाकिस्तान के जवान, बॉर्डर पर दिखा अनोखा नजारा

श्रीनगर। भारत-पाकिस्तान के बीच की दुश्मनी कब खत्म होगी ये किसी को नहीं पता लेकिन एक चीज है जो इन दोनों देशों को न चाहते हुए भी एक साथ जोड़ देती है और वो है संगीत। भारत और पाकिस्तान के बीच एलओसी पर एक ऐसा नजारा देखने को मिला है जो हर किसी के चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। इसकी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। एलओसी पर भारत और पाकिस्तान के सैनिक एक ही म्युजिक पर नाचते हुए नजर आ रहे हैं। यह गाना दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला का बंबिहा है जिसपर भारतीय सैनिक डांस करते दिख रहे है और इसे देख पाकिस्तानी सैनिकों के पैर भी थिरकने से रुके नहीं। सीमा से आया ये वीडियो दोनों ही देशों में तेजी से शेयर हो रहा है। भारतीय चौकी में पंजाबी गाने बजाए जा रहे है और बंकर के अंदर भारतीय जवान नाचते हुए दिख रहे हैं। भारतीय चौकी के सामने पाकिस्तानी चौकी है और वह भी इस गाने पर थिरकते हुए नजर आ रहे है। इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया जा रहा है और लिख रहे है, 'एलओसी पर एक पंजाबी गाना बजाया जा रहा था। पाकिस्तानी सैनिक इस वीडियो में हाथ हिलाते दिख रहे हैं'। जानकारी के लिए बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के गाने दोनों ही देशों में पसंद किए जाते हैं। मई में सिद्धू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

भूकंप के झटकों से कांपा जम्मू-कश्मीर का डोडा जिला

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के डोडा जिला शनिवार को भूकंप के दो हल्के झटके से कांप गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के दोनों झटके सुबह में साढ़े चार घंटे के अंतराल में आए और इनकी तीव्रता क्रमश- 2।9 और 3।4 दर्ज की गई। अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार से लेकर अब तक जम्मू के डोडा, किश्तवाड़, कटरा (रियासी) और उधमपुर जिलों में कम तीव्रता के कुल 13 भूकंप आ चुके हैं। उन्होंने बताया कि भूकंप से हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, तड़के 4.32 बजे आए पहले भूकंप का केंद्र भद्रवाह शहर से 26 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। उन्होंने बताया कि दूसरा भूकंप सुबह 9.06 बजे आया, जिसका केंद्र डोडा से पांच किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में पांच किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इससे पहल शुक्रवार को भी जम्मू-कश्मीर के कटरा से 62 किमी दूर तड़के करीब 3.28 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.4 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 5 किमी नीचे थी। पिछले चार दिनों में जम्मू कश्मीर में यह 8वीं बार है, जब भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में भूकंप का पहला झटका मंगलवार सुबह 2.20 बजे कटरा के पूर्व में महसूस किया गया, इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 थी। 2.6 तीव्रता का दूसरा भूकंप जम्मू के डोडा जिले से 9.5 किमी उत्तर पूर्व में 3.21 बजे आया। 2.8 तीव्रता का तीसरा भूकंप उधमपुर से 29 किलोमीटर पूर्व में मंगलवार तड़के 3.44 बजे आया। 2.9 तीव्रता का चौथा भूकंप उधमपुर से 26 किमी दक्षिण पूर्व में बुधवार सुबह 8.03 बजे आया। बुधवार रात और गुरुवार सुबह भी जम्मू-कश्मीर में भूकंप के 2 झटके महसूस किए गए। इसके बाद 7वां झटका शुक्रवार तड़के और 8वां झटका आज महसूस किया गया।

बिहार में जैसी की लालू की पार्टी का राज आता हैं, लोगों के अंदर खौफ पैदा हो जाता हैं : रविशंकर प्रसाद

भागलपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पटना से भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि लालू की पार्टी जब सत्ता में आती है, तब बिहार में खौफ का राज कायम हो जाता है। आम लोग समझते हैं कि अब कार्रवाई नहीं होगी। लेकिन भाजपा मजबूती से खड़ी है। कार्यकर्ता और जनता के साथ संघर्ष करेगी। भाजपा भारत, दिल्ली और बिहार में मजबूत है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जब से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साथ छोड़ा। पूरी भाजपा जमीन पर उतर गई है। कार्यकर्ताओं से मिल कर बैठक कर रहे हैं। सांगठनिक फीडबैक ले रहे हैं। शुक्रवार को नवगछिया में कोर कमिटी की बैठक हुई। शनिवार को बांका और रविवार को भागलपुर में बैठक होगी। भाजपा का उद्देश्य बहुत स्पष्ट है। 2024 का लोकसभा चुनाव बिहार में पूरा जीतने और 2025 का भी विधानसभा चुनाव जीतना है। उन्होंने कहा कि फीडबैक देखा है, जनता, कार्यकर्ता या शुभचिंतक हों सभी भाजपा की सरकार चाहते हैं। लोग सीएम नीतीश कुमार से थक गये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव-गांव में पिछड़ों और गरीबों की सेवा हुई है। सब जानते हैं कि अब भाजपा के अगुवाई में बिहार का विकास होगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है।

भारत में बच्चे गोद लेने की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि भारत में गोद लेने की प्रक्रिया को व्यवस्थित किए जाने की जरूरत है। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) के तहत एकल बच्चे को गोद लेने में तीन से चार साल की प्रतीक्षा अवधि होती है, जबकि 'लाखों-लाख अनाथ बच्चे गोद लिए जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शीर्ष कोर्ट ने पहले भी इस प्रक्रिया को बेहद थकाऊ करार दिया था और इसे 'सुव्यवस्थित' करने की तत्काल आवश्यकता जताई थी। पीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए अक्टूबर में सूचीबद्ध किया है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कई युवा दंपति बच्चे को गोद लेने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन यह प्रक्रिया इतनी कठिन है कि कारा के माध्यम से एक बच्चे को गोद लेने में तीन से चार साल का समय लग जाता है। क्या आप भारत में एक बच्चे को गोद लेने के लिए तीन से चार साल की अवधि की कल्पना कर सकते हैं? इसे आसान बनाया जाना चाहिए। लाखों-लाख अनाथ बच्चे गोद लिए जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नटराज ने कहा सरकार इस मुद्दे से अवगत है। उन्होंने देश में बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया को आसान बनाने को लेकर एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा दायर याचिका पर केंद्र सरकार के जवाब देने के लिए छह सप्ताह का समय मांगा है। पीठ ने नटराज से कहा वह बाल विकास मंत्रालय के किसी जिम्मेदार व्यक्ति को बैठक बुलाने और एनजीओ 'द टेंपल ऑफ हीलिंग' के सुझावों पर गौर करने तथा शीर्ष अदालत के समक्ष दाखिल करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने को कहें।

सीडब्ल्यूसी की अहम बैठक आज, अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम को दी जाएगी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संगठन को मजबूत करने की कवायद के चलते कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की आज रविवार को अहम बैठक होगी, जिसमें पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से जुड़े कार्यक्रम को मंजूरी दी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इस ऑनलाइन बैठक में अध्यक्ष के चुनाव के विस्तृत कार्यक्रम को स्वीकृति देने के साथ ही सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में विश्वास प्रकट किया जा सकता है। यह गुलाम नबी आजाद के पार्टी से इस्तीफे के संदर्भ में महत्वपूर्ण होगा। आजाद ने शुक्रवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था और आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेतृत्व आंतरिक चुनाव के नाम पर धोखा दे रहा है। उन्होंने राहुल गांधी पर 'अपरिपक्व और बचकाने' व्यवहार का आरोप भी लगाया था।

कांग्रेस ने उन पर पलटवार करते हुए पार्टी को धोखा देने का आरोप लगाया था और कहा था कि उनका 'डीनएन मोदी-मय' हो गया है। सीडब्ल्यूसी की इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले कांग्रेस सूत्रों ने यह भी बताया कि अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरा होने में पहले से निर्धारित कार्यक्रम के मुकाबले कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है, क्योंकि पार्टी का ध्यान इस समय 'भारत जोड़ो यात्रा' पर केंद्रित है तथा कुछ राज्य इकाइयां जरूरी औपचारिकताएं पूरी नहीं कर पाई हैं। पिछले साल सीडब्ल्यूसी ने जिस कार्यक्रम को मंजूरी दी थी, उसके मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच पूरी की जानी थी।

सीडब्ल्यूसी ने पिछले साल फैसला किया था कि ब्लॉक कमेटियों के लिए चुनाव 16 अप्रैल से 31 मई तक होंगे, जिला कमेटियों के अध्यक्षों के चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच कराए जाएंगे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्यों के चुनाव 21 जुलाई से 20 अगस्त के बीच एवं एआईसीसी अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि प्रक्रिया में कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है और अक्टूबर में पार्टी को पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जाना चाहिए। कांग्रेस इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' की तैयारी कर रही है। इस यात्रा के दौरान करीब पांच महीने में दक्षिण में कन्याकुमारी से लेकर उत्तर में कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। यह 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। साथ ही विभिन्न राज्यों में छोटे स्तर पर 'भारत जोड़ो यात्राएं' निकाली जाएंगी।

सीडब्ल्यूसी की बैठक ऐसे समय होगी, जब सोनिया चिकित्सा चिकित्सा जांच के लिए विदेश में हैं। उनके साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा भी गए हैं। सूत्रों ने बताया कि ये तीनों शीर्ष नेता सीडब्ल्यूसी की ऑनलाइन बैठक में भाग लेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई नेता सार्वजनिक रूप से राहुल गांधी से पार्टी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालने की अपील कर रहे हैं, हालांकि इस मुद्दे पर अनिश्चितता बरकरार है। कुछ पार्टी नेताओं की माने तो राहुल गांधी अपने इस रुख पर कायम हैं कि वह कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेंगे।

गहलोत ने बुधवार को इन खबरों को खास तवज्जो नहीं दी थी कि वह कांग्रेस अध्यक्ष पद के सबसे प्रमुख दावेदार हैं। उन्होंने कहा था कि अंतिम क्षण तक राहुल गांधी को पार्टी की कमान दोबारा संभालने के लिए मनाने का प्रयास किया जाएगा। गहलोत की यह टिप्पणी कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात के एक दिन बाद आई थी। मुलाकात के बाद यह चर्चा शुरू हो गई थी कि इसमें गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाने पर चर्चा हुई होगी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी पार्टी की कमान संभाल रही हैं।

राहुल गांधी पर कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए दबाव बनाएंगे, मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया दावा

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी से गुलाम नबी आजाद ने इस्तीफा दे दिया। आजाद के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनपर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि वह पिछले काफी समय से बीजेपी के पक्षधर हो गये थे। गुलाम ने कांग्रेस को अपनी राजनीतिक सफर का एक लंबा वक्त दिया हैं। आजाद ने उस वक्त तक पार्टी का साथ दिया जब वह लगातार चुनाव हार रही थी और कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता पार्टी छोड़कर भाग रहे थे। 2014 के चुनाव में कांग्रेस की स्थिति बेहद खराब हो गयी थी और तब से लेकर आजतक रोजाना खराब ही हो रही हैं। आजाद ने आरोप लगाया कि पार्टी में राहुल गांधी ने उन्हें साइडलाइन किया। कई वरिष्ठ नेताओं की बात को अनसुना किया गया। कांग्रेस के कई बड़े नेता नाराज हैं और सोनिया गांधी से वह इस बारे में कई बार चर्चा भी कर चुके हैं। एक लंबी चर्चा के बाद सोनिया गांधी ने राहुल गांधी की पार्टी अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी कि थी लेकिन साल 2019 में लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राहुल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और एक बार फिर से सोनिया गांधी को कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया था। अब पार्टी के निर्णय सोनिया गांधी लेती है लेकिन माना जा रहा है कि वह निर्णय राहुल गांधी के विचारों से ही प्रेरित रहते हैं। ऐसे में पार्टी के कुछ नाराज नेताओं का आरोप है कि राहुल गांधी अपने पक्ष के नेताओं की बात ही पार्टी में सुनते हैं और वरिष्ठ नेताओं को साइडलाइन करते हैं। अब आजाद के बाद माना जा रहा है कि कई और नाराज नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम. मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राहुल गांधी की कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में वापसी के लिए प्रयास किया जाएगा, क्योंकि पार्टी में उनके अलावा कोई ऐसा नहीं है जिसकी अखिल भारतीय अपील हो। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पार्टी का नेतृत्व करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को पूरे देश में जाना जाना चाहिए और उसे कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर और पश्चिम बंगाल से गुजरात तक समर्थन प्राप्त होना चाहिए। खड़गे ने शुक्रवार को यहां कहा, ''वह (कांग्रेस अध्यक्ष को) पूरी कांग्रेस पार्टी में जाना-पहचाना, स्वीकृत व्यक्ति होना चाहिए।

बिहार में लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, सिंतबर में सीमांचल का दौर कर सकते हैं शाह और नडडा

सिंतबर से केंद्रीय नेताओं का बिहार दौरा होगा शुरु

पटना (एजेंसी)।

बिहार में एनडीए गठबंधन टूटने के बाद बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 और विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियां तेज कर दी हैं। संगठन को मजबूती देने के लिए बीजेपी के आला नेता राज्य का दौरा करने वाले हैं। बिहार में जल्द बीजेपी के कद्दावर नेताओं के आने का सिलसिला तेज होने वाला है। इसी कड़ी में अगले महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य का दौरा कर सकते हैं। 15 सितंबर से पहले केंद्रीय मंत्री शाह का असदुद्दीन ओवैसी और तेजस्वी यादव के गढ़ सीमांचल आने का कार्यक्रम बन रहा है। इसके अलावा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सितंबर में बिहार आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि 10 से 15 सितंबर के बीच शाह की पूर्णिया में बड़ी जनसभा हो सकती है। नड्डा सहित कई केंद्रीय नेताओं के आने का सिलसिला भी सितंबर में होगा। बिहार बीजेपी ने इसके मद्देनजर अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। पार्टी के केंद्रीय नेताओं के बिहार आगमन को देखते हुए राज्य इकाई ने वरीय नेताओं की जिम्मेवारी तय की है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने केंद्रीय मंत्रियों के प्रवास से संबंधित कमेटी में जीवेश मिश्रा, संजय सिंह, शिवेश राम, अमृता भूषण और मनीष पांडेय को शामिल किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रवास का जिम्मा मनोज शर्मा और संजय गुप्ता को दिया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश के एनडीए से नाता तोड़कर महागठबंधन के साथ जाने के बाद बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की 40 में से 35 सीटों पर जीत का लक्ष्य तय किया है। बीजेपी अध्यक्ष नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री शाह की मौजूदगी में इसी महीने हुई कोर कमेटी की बैठक में यह तय किया गया। बैठक में प्रदेश इकाई में सांगठनिक तौर पर बदलाव पर भी सहमति बनी। बताया जा रहा है कि आम चुनाव से पहले राज्य में बीजेपी का अध्यक्ष भी बदला जा सकता है। बीजेपी की नजर बिहार के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र सीमांचल पर टिकी है। यह असदुद्दीन ओवैसी और आरजेडी का गढ़ माना जाता है। यह इलाका नेपाल और पश्चिम बंगाल से सटा हुआ है। सीमांचल में चार जिले आते हैं, जिसमें पूर्णिया, किशनगंज, अररिया और कटिहार शामिल हैं। सीमांचल में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं। यह तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी का गढ़ माना जाता रहा है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में ओवैसी ने आरजेडी के वोटबैंक में सेंधमारी की थी और उनकी एआईएमआईएमस ने पांच सीटों पर जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया था। अन्य सीटों पर भी एमआईएमआईएम ने महागठबंधन के वोट काटे, जिसका फायदा बीजेपी नीत एनडीए को मिल गया था। इसी साल तेजस्वी ने एआईएमआईएम के 5 में से 4 विधायकों को आरजेडी में शामिल करा दिया, जिसके बाद फिर से वे इस क्षेत्र में मजबूत हो गए।

बांग्लादेश ने गंगा, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों से देश में बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान के लिए मांगे आंकड़े

नई दिल्ली । भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश ने गंगा, ब्रह्मपुत्र, बराक और अन्य नदियों पर ऊपरी हिस्सों (अपस्ट्रीम स्टेशन) से देश में बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान के लिए आंकड़े मांगे हैं, लेकिन भारत का कहना है कि पर्याप्त आंकड़े ढाका को दिए जा रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, इस मौसम के बाद से भारत ने किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए बांग्लादेश को बाढ़ के आंकड़ों को साझा करने की अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। भारत और बांग्लादेश के मंत्रालय स्तरीय संयुक्त नदी आयोग की 38वीं बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान इस मामले पर चर्चा की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया, जबकि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जल संसाधन राज्य मंत्री जहीद फारूक ने किया। सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश ने गंगा, ब्रह्मपुत्र, बराक और अन्य नदियों पर 'अपस्ट्रीम स्टेशन' से देश में बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान के लिए बाढ़ के आंकड़े मांगे हैं, लेकिन भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि पड़ोसी देश को पर्याप्त आंकड़े मुहैया कराये जा रहे हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि भारत ने बाढ़ के आंकड़ों को साझा करने की अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है, जो पहले 15 अक्टूबर तक थी।

हमारी सेना दुश्मन को सबक सिखाना अच्छी तरह जानती: राजनाथ सिंह

लखनऊ (एजेंसी)।

केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। बहुत सारे लोग कंफ्यूजन क्रिएट कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि हमारी सेना दुश्मन को सबक सिखाना अच्छी तरह जानती है। ये बात पूरी दुनिया जान भी चुकी है। हमारे स्वाभिमान पर चोट की तब हम हर तरह से निपटने के लिए तैयार हैं। राजनाथ अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष कार्यक्रम में प्रमिला श्रीवास्तव स्मृति मेमोरियल फाउंडेशन के स्मृति कार्यक्रम और व्याख्यान समारोह में बोल रहे थे। कहा कि आज भारत कमजोर भारत नहीं रहा है, ताकतवर देश की कतार में है। जिसके स्वाभिमान पर अगर किसी ने चोट पहुंचाने का प्रयास किया तब जवाब देने की ताकत भी रखता है। देश आश्वस्त रहे हमारी सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा कि पहले विश्व मंचों पर भारत को महत्व नहीं मिलता था, आज भारत जब बोलता है, तब दुनिया कान लगातार सुनती है। कोविड के बाद भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2047 तक विश्व के टाप-3 अर्थव्यवस्था में भारत खड़ा होगा। रक्षामंत्री ने पीएम जनधन योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज पूर्व पीएम राजीव गांधी होते, तब उन्हें संतुष्टि मिलती। आज केंद्र सरकार की तरफ से भेजा जा रहा 100 का 100 रुपया आम आदमी के पास पहुंच रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2047 आजादी के अमृत काल में भारत विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

गुलाम नबी आजाद होंगे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री, पूर्व कांग्रेस विधायक का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

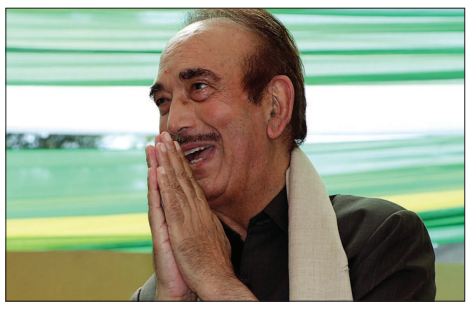

गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस में अपने पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद, जम्मू-कश्मीर के पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमीन भट्ट ने शनिवार को कहा कि 'गुलाम नबी आजाद जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे'। पूर्व विधायक अमीन भट्ट ने शनिवार को गुलाम नबी आजाद से मुलाकात की। भट्ट ने कहा, 'हम आगे के रास्ते पर चर्चा करेंगे, हम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी टीम नहीं हैं।'

वयोवृद्ध राजनेता गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को गांधी परिवार और संगठनात्मक नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को संबोधित एक पत्र में, आजाद ने पार्टी से बाहर निकलने के पीछे के कारणों के रूप में वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने और 'अनुभवहीन चाटुकारों की मंडली÷ के बढ़ते बोलबाला का हवाला दिया।

पूर्व राज्यसभा सांसद ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के घटते राजनीतिक दबदबे और चुनावों में खराब प्रदर्शन के लिए उनकी 'अपरिपक्वता' को जिम्मेदार ठहराया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने कहा कि वह जल्द ही जम्मू-कश्मीर में अपनी पार्टी बनाएंगे। आजाद ने कहा 'मैं जल्द ही जम्मू और कश्मीर में अपना संगठन स्थापित करूंगा। मैं भाजपा में शामिल नहीं होऊंगा।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे से सहमी कांग्रेस को अभी और झटके लगने वाले हैं क्योंकि देश के विभिन्न राज्यों में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के इस्तीफों की घोषणा का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर भले कहा है कि आजाद के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन पार्टी के अंदर इस बात पर चर्चा शुरू हो चुकी है कि किस तरह डैमेज कंट्रोल किया जाये। गांधी परिवार का कोई सदस्य इस समय देश में नहीं है इसलिए पार्टी नेताओं की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। एक तरफ कांग्रेस नेता हालात संभालने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर गांधी परिवार के समर्थकों और आजाद समर्थक नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग तेज होती जा रही है।

सुरक्षा को लेकर भारत आत्मनिर्भर, आईएनएस विक्रांत कमीशंड होना अहम क्षण: रक्षा सचिव अजय कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। भारतीय नौसेना इस कार्य में अहम भूमिका निभा रही है अब बहुत जल्द आईएनएस विक्रांत की सेवाएं मिलने लगेंगी। एक ऐसे वक्त में जब चीन हिंद प्रशांत महासागर जल क्षेत्र में दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है, आईएनएस विक्रांत का कमीशंड होना काफी अहम माना जा रहा है। रक्षा सचिव अजय कुमार ने आईएनएस विक्रांत को लेकर शनिवार को कहा, 'प्रत्येक भारतीय के लिए यह बहुत गर्व का क्षण है कि आईएनएस विक्रांत 2 सितंबर को नई दिल्ली होने जा रहा है। इससे समुद्री सुरक्षा में हमारी क्षमता बढ़ेगी। यह संदेश देता है कि जब हमारी सुरक्षा की बात आती है तो भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र है।'

नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल एसएन घोरमडे ने गुरुवार को कहा था कि स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के सेवा में शामिल होने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। घोरमडे ने कहा कि आईएनएस विक्रांत को 2 सितंबर को कोच्चि में एक कार्यक्रम में नौसेना में शामिल किया जाएगा और इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। पिछले साल 21 अगस्त से ही आईएनएस विक्रांत का अलग-अलग फेज में समुद्री ट्रायल हो रहा है। करीब 45000 टन के इस विमानवाहक पोत पर एविएशन से जुड़े ट्रायल होने हैं। हालांकि, ये ट्रायल आईएनस विक्रांत के कमीशंड होने के बाद होंगे।

फिलहाल भारत के पास केवल एक ही एयरक्राफ्ट कैरियर शिप आईएनएस विक्रमादित्य है। इसे रशियन प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया था। भारतीय नौसेना 3 एयरक्राफ्ट कैरियर चाहती है। इनमें 2 हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में तैनात रहेंगे। वहीं तीसरे को स्पेयर में रखा जाएगा। आईएनएस विक्रांत भारत में तैयार किया गया सबसे बड़ा युद्धपोत है। इस नए विमानवाहक पोत का नाम इसके पूर्ववर्ती युद्धपोत पर रखा गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के युद्ध में बड़ी भूमिका निभाई थी। आईएनएस विक्रांत को 20000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इसे कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड स्थित वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो में बनाया गया है।

इस युद्धपोत के बनने के बाद भारत दुनिया के कुछ चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है। बता दें कि अभी तक अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस ही वे देश हैं, जिन्होंने खुद का एयरक्राफ्ट कैरियर बनाया है। आईएनएस विक्रांत पर मिग-29 के फाइटर जेट और हेलीकॉप्टरों समेत 30 एयरक्राफ्ट रखे जा सकेंगे। इनमें एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। 262 मीटर लंबे और 62 मीटर चौड़े इस युद्धपोत पर

1600 क्रू रह सकेंगे। इस बर बने कुल कंपार्टमेंट्स की संख्या 2200 है, जिनमें महिला अफसरों और सेलर्स के लिए स्पेशल केबिन भी शामिल हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ से मचा हाहाकार, अब तक हो चुकी 982 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इस समय बाढ़ से हालत बहुत ज्यादा खराब बनी हुई है। कई इलाकों में बाढ़ के आने से लगभग 33 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं। इस बाढ़ से अब तक 1,456 घायल हुए हैं और 982 लोगों की मौत हो चुकी हैं। शहबाज शरीफ की सरकार बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए पाक सेना का सहारा ले रहा है। बाढ़ के कारण घरों और बुनियादी ढांचे को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। पाकिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि 3,000 किमी से अधिक सड़कें, लगभग 150 पुल और लगभग सात लाख घर बह गए हैं या नष्ट हो गए हैं।पाकिस्तान समाचार वेबसाइट डॉन ने शनिवार की सुबह एक तस्वीर पेश की है जिसमें दिखाया जा रहा है कि आधे से अधिक इलाके बाढ़ के कारण पानी में समा गयी है और अचानक आई बाढ़ के कारण लाखों लोग बेघर हो गए हैं। बाढ़ के आने से फसलों और पशुओं को नुकसान पहुंच रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने कहा कि सिंध और बलूचिस्तान बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और इसी को देखते हुए पाक के रेलवे ने इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर परिचालन निलंबित कर दिया है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने खराब मौसम के कारण शुक्रवार को बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के लिए उड़ानें रोक दीं। बताया जा रहा है कि बारिश की चेतावनी मंगलवार 30 अगस्त तक जारी रहेगी। डॉन की खबर के मुताबिक, क्वेटा और इसके बाहरी इलाके पानी में डूबे हुए हैं। 36 घंटे की बारिश के कारण जनजीवन ठप हो गया है और सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं।

पाकिस्तान ने कश्मीर में अपने नागरिक की मौत पर भारत के समक्ष विरोध जताया

इस्लामाबाद। कश्मीर में एक पाकिस्तानी कैदी की मौत पर कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए पाकिस्तान ने यहां भारतीय दूतावास के प्रभारी (चार्ज डी अफेयर्स) को तलब किया। पाकिस्तान ने अपने नागरिक की मौत को 'फर्जी मुठभेड़' करार दिया है। पाकिस्तानी विदेश विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, भारतीय दूतावास के प्रभारी को शुक्रवार को विदेश मामलों के मंत्रालय में बुलाया गया था। बयान के अनुसार, भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा ''फर्जी मुठभेड़'' में पाकिस्तानी कैदी मोहम्मद अली हुसैन की हत्या के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। हुसैन 2006 से ही कश्मीर के कोट भलावल जेल में कैद था। विदेश विभाग के अनुसार, ''वास्तविकता यह है कि हुसैन की मौत और कुछ नहीं, बल्कि सोच-समझकर की गई हत्या है।'' विदेश विभाग द्वारा जारी बयान के अनुसार, भारत की हिरासत में कैद पाकिस्तान के अन्य कैदियों की रक्षा, सुरक्षा और कल्याण को लेकर चिंता बढ़ गयी है। पाकिस्तान ने मांग की है कि भारत सरकार उक्त घटना की पूरी जानकारी, मौत का कारण स्पष्ट करने वाला सही पोस्टमार्टम रिपोर्ट जल्द उसे उपलब्ध कराए और पाकिस्तानी कैदी की हत्या के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की जवाबदेही तय करने के लिए पारदर्शी तरीके से मामले की जांच कराए। विदेश विभाग ने कहा, ''भारत सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह मृतक के पार्थिव शरीर को उसके परिजनों के इच्छानुसार तत्काल पाकिस्तान भेजने का प्रबंध करे।

थाइलैंड में भीषण गर्मी से बेहाल हाथी ने दांतों से अपने ही महावत के कर दिए दो टुकड़े

बैंकाक । थाईलैंड में एक हृदयविदारक घटना में एक हाथी ने अपने महावत को दो टुकड़े कर दिए। हाथी ने ऐसा तेज गर्मी के कारण किया है। खबरों के मुताबिक पुलिस ने बताया कि घटना पिछले हफ्ते दक्षिण थाईलैंड के फांग नगा राज्य में एक रब प्लांटेशन में हुई। पुलिस का मानना है कि तेज गर्मी में रबर की लकड़ी ढोने के कारण हाथी नाराज हो गया था। हाथी का नाम पोम पाम है। इसने अपने दांतों से 32 साल के सुपाचाई वोंगफैड पर काई बार वार किए। हाथी के दांत क्योंकि बहुत मोटे होते हैं, इसके सुपाचाई का शरीर आधे हिस्से में बंट गया। जांच में पता चला है कि वोंगफैड हाथी को सुबह बागान से लकड़ियों को ढोने के लिए लाया था। हालांकि भीषण गर्मी के कारण हाथी पागल हो गया और महावत पर हमला बोल दिया। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों को जब वोंगफैड का शव मिला तो चारों और खून ही खून था। महावत के शव को उठाया जा सके इसके लिए हाथी को पहले बेहोशी का इंजेक्शन बंदूक के जरिए मारा गया। जिस शख्स की मौत हुई है वह खोक चारोन उप-जिले के पूर्व महापौर का बेटा था। पिछले महीने में इसी तरह की एक घटना सामने आई थी। नखोन श्री थम्मारत प्रांत में भी हाथी ने अपने दांत से महावत को दांतों के जरिए मार डाला था। इसके बाद वह घंटों तक उसकी लाश पर खड़ा रहा। पुलिस को इस मामले में भी संदेह था कि हाथी काम के कारण तनावग्रस्त था। हाथियों के हमले को लेकर सेव द एशियन एलीफेंट्स चैरिटी के सीईओ डंकन मैकनेयर ने कहा, 'हाथी के एक और हमले से हमें ये याद आता है कि एशियाई हाथी हमेशा से जंगली जानवर रहे हैं, जो दुर्व्यवहार या तनाव में हमला कर सकते हैं और मार सकते हैं।' बता दें कि हाथियों को सरल स्वभाव के लिए जाना जाता है, हालांकि जब वे परेशान किए जाते हैं या खतरा महसूस करते हैं तो वे आक्रामक हो सकते हैं।

जर्मनी ने लॉन्च की दुनिया की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन, एक बार में तय करेगी 1000 किमी

बर्लिन। जर्मनी ने दुनिया की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का उद्घाटन किया है। जर्मनी के लोअर सैक्सोनी राज्य में पूरी तरह से हाइड्रोजन द्वारा संचालित 14 ट्रेनों का एक बेड़ा सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। माना जाता है कि पर्यावरण में कार्बन गैस को कम करने में यह अहम भूमिका निभाएगा, इस पहल से जर्मन सरकार पर्यावरण के अनुकूल यातायात को प्रोत्साहित कर रही है। फ्रांसीसी कंपनी एल्स्टॉम द्वारा निर्मित 14 ट्रेनों में से पांच बुधवार को चलाई गई और अभी आने वाले दिनों में ये 15 डीजल ट्रेनों की जगह ले लेगी, जो वर्तमान में इस पटरी पर चल रही है। एल्स्टॉम के सीईओ हेनरी पॉपार्ट-लाफार्ज ने अपने एक बयान में कहा कि सिर्फ एक किलो हाइड्रोजन लगभग 4 l5 किलो डीजल के समान है। यह ट्रेन कोई प्रदूषण नहीं छोड़ती है, बस थोड़ा शोर पैदा करती है और भाप और वाष्पित पानी का उत्सर्जन करती है। हाइड्रोजन से भरे एक टैंक से करीब 1000 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती है। मार्ग के किनारे एक हाइड्रोजन फिलिंग स्टेशन पहले ही स्थापित किया जा चुका है। बता दें कि ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 140 किमी/घंटा है। इस समझौते को क्षेत्रीय रेल ऑपरेटर (एलएनवीजी) और एल्स्टॉम के बीच 93 मिलियन यूरो में हस्ताक्षर किया गया था। एल्स्टॉम के सीईओ हेनरी ने कहा हमें अपने मजबूत भागीदारों के साथ विश्व प्रीमियर के रूप में इस तकनीक को लॉन्च करने में बहुत गर्व महसूस हो रहा है और यह हर साल 4,400 टन सीओ2 को वायुमंडल में छोड़ने से रोकेगा। एल्स्टॉम के अनुसार, इस परियोजना से दक्षिणी फ्रांसीसी शहर टार्ब्स और मध्य जर्मनी में 80 कर्मचारियों के लिए रोजगार का सृजन किया गया। 2018 से इसका परीक्षण किया जा रहा था, लेकिन अब यह पूरी तरह से तैयार है। इसके अलावा, हाइड्रोजन अनिवार्य रूप से कार्बन-मुक्त नहीं है, केवल 'हरित हाइड्रोजन' जो नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित किया जाता है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से रूस प्रतिबंध लगने से काफी तनावपूर्ण स्थिति बन गई है ऐसे में रेल परिवहन में हाइड्रोजन गैस का उत्पादन चुनौतीपूर्ण है इसलिए कंपनी को ये तय करना है कि हाइड्रोजन या बैटरी से चलने वाली ट्रेनों का संचालन किया जाना है या नहीं।

15,000 टन गेहूं अफगानिस्तान भेजेगा भारत, पाक से मांगा सेफ पैसेज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कहा है कि वह जंग से तबाह अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में शेष 15,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजने की समय सीमा बढ़ाने के भारत के अनुरोध पर विचार कर रहा है। भारत से 2,500 टन गेहूं की मानवीय सहायता की पहली खेप 26 फरवरी को पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के जलालाबाद पहुंची थी। इसके बाद 2,000 मीट्रिक टन गेहूं लेकर दूसरा काफिला 3 मार्च को अमृतसर के अटारी से जलालाबाद, अफगानिस्तान के लिए रवाना हुआ था। भारत ने 8 मार्च को अटारी-वाघा सीमा के रास्ते 40 ट्रकों में 2,000 मीट्रिक टन गेहूं की तीसरी खेप अफगानिस्तान भेजी थी। भारत ने जून में पाकिस्तानी भूमि मार्ग से अफगानिस्तान में 3,000 मीट्रिक टन गेहूं की एक नई खेप भेजी थी। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार अहमद ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हमने कई मौकों पर समय सीमा बढ़ाई है और मुझे यकीन है कि इसे पूरा करने के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। अफगानिस्तान में आर्थिक हालात तबाह होने से एक बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो गया है। तालिबान के राज में इंटरनेशनल सहायता एजेंसियों को राहत के काम करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए भारत ने मानवीय आधार पर गेहूं भेजने का काम किया है। भारत में एससीओ-आरएटीएस (शंघाई सहयोग संगठन-क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना) अभ्यास के समापन समारोह में पाकिस्तान के पर्यवेक्षक स्तर की भागीदारी करने के बारे में एक सवाल के जवाब में अहमद ने कहा कि भारत की भागीदारी भी पाकिस्तान में समान स्तर पर थी।

पाकिस्तान में बाढ़ से हालात खराब हैं। जमशोरो में बारिश और बाढ़ के बाद बारिश के पानी से गुजरता एक परिवार अपने सामान के साथ।

ब्रिटेन की महारानी नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति संबंधी समारोह स्कॉटलैंड में कर सकती हैं: रिपोर्ट

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल स्थित अपने आवास पर नवनिर्वाचित नेता को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त करने के लिए पारंपरिक समारोह आयोजित कर सकती हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। महारानी एलिजाबेथ (96) उम्र संबंधी समस्याओं का सामना कर रही हैं औरस्कॉटलैंड में गर्मी की अपनी वार्षिक छुट्टी बिता रही हैं। द सन अखबार का दावा है कि महारानी के लिए एक गुप्त योजना तैयार की गयी है, जिसके तहत वह लंदन के बकिंघम पैलेस या दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में विंडसर कैसल की यात्रा करने के बजाय बाल्मोरल बेस पर नवनिर्वाचित नेता की आगवानी करेंगी। पूर्व चांसलर ऋषि सुनक या विदेश सचिव लिज़ ट्रस इस दौड़ में आमने-सामने हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नए नेता का चुनाव पांच सितंबर को किया जाएगा और उसके बाद 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर औपचारिक रूप से बोरिस जॉनसन के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त होने के अगले दिन महारानी के साथ उनकी मुलाकात का कार्यक्रम होगा। अखबार ने कहा है कि इस बाबत अंतिम फैसला अगले हफ्ते सार्वजनिक रूप से घोषित किया जाएगा, क्योंकि निवर्तमान और नवनिर्वाचित प्रधानमंत्रियों को अग्रिम नोटिस की जरूरत होती है। संभवतः ऐसा पहली बार होगा कि संसद में बहुमत दल के नेता द्वारा महारानी के ''हाथों का चुंबन'' लंदन या विंडसर के बाहर लिया जाएगा। द सन ने एक सूत्र के हवाले से कहा, ''महारानी को अब यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है।''

जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे के हत्यारे का खुला बड़ा राज, मां के कारण तबाह हुई जिंदगी

टोयो। (एजेंसी)।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की जुलाई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शिंजो आबे की हत्या करने वाला हत्यारा तेत्सुया यामागामी इस समय पुलिस की हिरासत में है। आबे की गोली मारकर हत्या करने वाले यामागामी के बारे में बड़ी जानकारी सामने आई है, जिससे सभी लोग काफी हैरान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर यामागामी एक अच्छे परिवार से आता है लेकिन उसकी मां की एक गलती के कारण आज उसकी जिंदगी तबाह हो गई है।

बताया जा रहा है कि यामागामी की मां ने विवादास्पद यूनिफिकेशन चर्च को भारी रकम दान कर दी थी जिसके बाद उसका परिवार आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई थी। यामागामी अपनी मां के इस काम से बहुत ज्यादा नाराज था। यामागामी के अनुसार, उसकी मां ने चर्च को भारी रकम दान कर दी और इसका असर उसके पूरे परिवार पर पड़ा। उसने एक पत्र भी लिखा था जिसमें उसने बताया कि ÷%मेरी माँ के चर्च से जुड़ने के बाद (1990 के दशक में), मेरी पूरी किशोरावस्था बर्बाद हो गई, लगभग 10 करोड़ येन (7,35,000 अमेरिकी डॉलर) बर्बाद हो गए। उसकी मां ने लगभग छह करोड़ येन का दान दिया। पिता की मौत के बाद सकी मां ने पारिवारिक कंपनी की चार करोड़ येन की संपत्ति बेच दी जिससे 2002 में परिवार दिवालिया हो गया।

पूर्व प्रधानमंत्री की गोली मारकर हत्या करने वाले हमालवर के लिए जापान के कई नागरिक सहानुभूति जता रहे है। ये लोग यामागामी की उम्र के है और भारी संख्या में हमलावर का समर्थन कर रहे है। ये लोग तीन दशकों की आर्थिक और सामाजिक उथल-पुथल के दौरान अपनी पीड़ा को यामागामी के स्थिति से खुद को जोड़ है।

सोशल मीडिया पर लोग सुझाव दे रहे हैं कि यामागामी के हिरासत केन्द्र को पैकेज देना चाहिए। इससे हमलावर को खुशी महसूस होगी। बता दें कि लगभग 7 हजार लोगों ने यामागामी के लिए अपना समर्थन दिखाया है और अभियोजन पक्ष से नरमी का अनुरोध करते हुए एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं। यामागामी को मानसिक जांच के लिए पुलिस हिरासत में रखा गया है। इससे पहले भी यामागामी ने यूनिफिकेशन चर्चको लेकर अपनी नफरत व्यक्त की थी।

इमरान खान का कट्टर समर्थक गिरफ्तार, पाकिस्तानी सेना के खिलाफ डॉक्टर ने की थी आलोचना

लंदन (एजेंसी)।

पाकिस्तान में इस समय थल सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद और सेना के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान बलूचिस्तान प्रांत के लासबेला में सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद शुरू किया गया था। इसी को देखते हुए पाकिस्तान की जांच एजेंसी ने एक वरिष्ठ डॉक्टर को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गिरफ्तार किया गया डॉक्टर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कट्टर समर्थक है। जांच एजेंसी की साइबर अपराध शाखा ने थल सेना प्रमुख के खिलाफ नफरत फैलाने वाला अभियान चलाने में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है।एफआईए की साइबर अपराध शाखा के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि सेना और थल सेना प्रमुख के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाने वाले पर एफआईए ने चिल्ड्रन हॉस्पिटल, लाहौर के वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ सहर सौद के आवास पर छापेमारी की है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर को एक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जिसके बाद डॉक्टर को 14 दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है।

आतंकवाद के केस में फंसे हुए इमरान खान

बता दें कि इमरान खान भी आतंकवाद के केस में बुरे फंसे हुए हैं। भविष्य में उन्हें मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है। इमरान खान पर सेना के ऊपर साजिश रचने का आरोप लगाया गया हैं। वहीं अपने बचाव में इमरान खान ने कहा कि सेना के दबाव में देश का पूरा प्रशासन उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के पीछे पड़ गया है।

जयशंकर ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज से की मुलाकात

यूनस आयर्स (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज से मुलाकात की और व्यापार संबंधों को अधिक टिकाऊ एवं महत्वाकांक्षी बनाने के तरीकों सहित रक्षा तथा परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की संभावना पर चर्चा की। जयशंकर अपनी तीन लैटिन अमेरिकी देशों की पहली आधिकारिक यात्रा के अंतिम चरण में बृहस्पतिवार को अर्जेंटीना पहुंचे। जयशंकर ने वित्त मंत्री सर्जियो मस्सा से भी मुलाकात की और उनके साथ आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, '' अर्जेंटीना के वित्त मंत्री सर्जियो मस्सा से मिलकर काफी खुशी हुई।

हमारे आर्थिक सहयोग में विस्तार को लेकर उनके सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करता हूं।'' अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज से मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा, '' मेरा स्वागत करने के लिए राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज का धन्यवाद। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया है।'' दोनों नेताओं ने व्यापार संबंधों को अधिक टिकाऊ एवं महत्वाकांक्षी बनाने सहित द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने ''वैश्विक दक्षिण और हमारे द्विपक्षीय संबंधों के दृष्टिकोण से '' ऊर्जा तथा खाद्य सुरक्षा को लेकर भी विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं पर भी बातचीत की। जयशंकर ब्राजील, पराग्वे और अर्जेंटीना की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह दक्षिण अमेरिका की उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है।

आर्टेमिस 1: अंतरिक्ष यान की पहली उड़ान मनुष्यों को चंद्रमा पर ले जाने के लिए तैयार

बर्मिंघम (एजेंसी)।

एक लॉन्च विंडो - वह अवधि जिसके दौरान एक रॉकेट को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लॉन्च किया जाना चाहिए - 29 अगस्त को उस अंतरिक्ष यान की पहली उड़ान के लिए खुलेगी, जिसमें 1972 के बाद मनुष्यों को पहली बार चंद्रमा पर ले जाया जाएगा। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो 2025 में मानव को चंद्रमा पर दोबारा ले जाने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए आर्टेमिस परियोजना पटरी पर आ जाएगी। आर्टेमिस अपोलो की बहन के नाम है और प्राचीन ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार यह ज़ीउस की बेटी है।

इस परियोजना को हमारे निकटतम आकाशीय पड़ोसी पर एक दीर्घकालिक मानव उपस्थिति स्थापित करने के लिए और अंततः और भी आगे की खोज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आर्टेमिस 1 कई मिशनों में से पहला है। इसमें नासा का नया सुपर-हैवी रॉकेट, स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) लगा है, जिसे पहले कभी लॉन्च नहीं किया गया है, और ओरियन मल्टी-पर्पस क्रू व्हीकल (या ओरियन एमपीसीवी), जो एक बार पहले भी अंतरिक्ष में उड़ान भर चुका है। अपोलो मिशन के कमांड सर्विस मॉड्यूल के विपरीत, जो हाइड्रोजन ईंधन कोशिकाओं द्वारा संचालित थे, ओरियन एमपीसीवी एक सौर-संचालित प्रणाली है। इसकी विशिष्ट एक्स-विंग शैली की सौर सरणियों को कठिन प्रक्रियाओं के दौरान यान पर दबाव को कम करने के लिए आगे या पीछे घुमाया जा सकता है। यह छह अंतरिक्ष यात्रियों को 21 दिनों तक अंतरिक्ष में ले जाने में सक्षम है। हालांकि, बिना चालक दल के आर्टेमिस 1 मिशन, 42 दिनों तक चल सकता है। अपोलो के विपरीत, आर्टेमिस एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना है। ओरियन एमपीसीवी में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक अमेरिका-निर्मित कैप्सूल और ईंधन, पानी, वायु, सौर-सरणियों और रॉकेट थ्रस्टर्स की आपूर्ति के लिए एक यूरोपीय-निर्मित सर्विस मॉड्यूल शामिल है।

ऊर्जा के लिए सूर्य पर निर्भरता के कारण आर्टेमिस की लांच के समय को लेकर कुछ बातों का ध्यान रखना होगा क्योंकि उस समय पृथ्वी और चंद्रमा की स्थिति ऐसी चाहिए कि उड़ान के दौरान किसी भी बिंदु पर ओरियन अंतरिक्ष यान सूर्य से 90 मिनट से अधिक समय तक छाया में न रहे। एसएलएस ओरियन को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करेगा, जहां इसके मूल चरण को छोड़ दिया जाएगा - समुद्र में गिरा दिया जाएगा। चंद्रमा के लिए एक अंतरिक्ष यान को उड़ाने के लिए आवश्यक अधिकांश ऊर्जा का उपयोग उड़ान के इस पहले चरण में किया जाता है, केवल पृथ्वी की निचली कक्षा तक पहुंचने के लिए। फिर ओरियन को पृथ्वी की कक्षा से बाहर धकेल दिया जाएगा और एसएलएस के दूसरे चरण, जिसे अंतरिम क्रायोजेनिक प्रणोदन चरण (आईसीपीएस) कहा जाता है, द्वारा चंद्र-बद्ध प्रक्षेपवक्र पर धकेल दिया जाएगा। ओरियन फिर आईसीपीएस से अलग हो जाएगा और अगले कई दिन चंद्रमा के छोर पर बिताएगा।

अमेरिका: टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी महिलाओं से नस्ली दुर्व्यवहार, कहा 'भारत वापस जाओ'

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के टेक्सास में एक मैक्सिकन-अमेरिकी महिला ने चार भारतीय-अमेरिकी महिलाओं के साथ नस्ली दुर्व्यवहार और मारपीट की। आरोपी महिला ने भारतीय-अमेरिकी महिलाओं पर नस्ली टिप्पणी करते हुए कहा कि वे अमेरिका को 'बर्बाद' कर रही हैं और उन्हें 'भारत वापस चले जाना चाहिए।' घटना बुधवार रात टेक्सास के डलास में एक पार्किंग क्षेत्र में हुई। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह एक वीडियो में खुद को मैक्सिकन मूल की अमेरिकी नागरिक बताती और भारतीय-अमेरिकी महिलाओं पर हमला करती नजर आ रही है।

एस्मेराल्डा अप्टन नाम की महिला वीडियो में यह कहती दिख रही है कि 'मैं तुम भारतीयों से नफरत करती हूं। भारतीय इसलिए अमेरिका आते हैं, क्योंकि वे एक बेहतर जिंदगी चाहते हैं।'' 'सीबीएस न्यूज' की खबर के अनुसार, वीडियो में आरोपी महिला भारतीय मूल की महिलाओं से यह भी कहती नजर आ रही है कि ''भारत वापस जाओ। तुम... लोग इस देश को बर्बाद कर रहे हो।'' संबंधित वीडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद भारतीय-अमेरिकी समुदाय स्तब्ध है। इसमें अप्टन नस्ली टिप्पणी करने के साथ-साथ कम से कम दो महिलाओं से मारपीट करती भी नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करने वाले ने व्यक्ति ने लिखा, ''यह घटना टेक्सास के डलास में मेरी मां और उनकी तीन दोस्तों के साथ हुई।'' वीडियो पोस्ट करने वाले व्यक्ति की मां को वीडियो में मैक्सिकन-अमेरिकी महिला का विरोध करते और उससे नस्ली टिप्पणी न करने का अनुरोध करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में आरोपी महिला यह भी कहती नजर आ रही है कि ''मैं जहां भी जाती हूं... तुम भारतीय हर जगह मिल जाते हो। अगर भारत में जीवन बेहतरीन है तो तुम यहां क्यों हो।'' इसके बाद वह अपशब्द का इस्तेमाल करते हुए चिल्लाती है और भारतीय-अमेरिकी महिलाओं के साथ मारपीट करने लगती है। प्लानो पुलिस के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार दोपहर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। उस पर हमला करने, शारीरिक चोट पहुंचाने और धमकी देने का आरोप लगाया गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी से नाता रखने वाली रीमा रसूल ने घटना की निंदा करते हुए ट्वीट किया, ''यह बहुत भयावह है। उसके पास वास्तव में एक हथियार था और वह गोली चलाना चाहती थी... इस महिला के खिलाफ नस्ली अपराध का मुकदमा चलाया जाना चाहिए।'' इस घटना की फिलहाल प्लानो पुलिस विभाग की 'क्राइम अगेंस्ट पर्सन्स यूनिट' द्वारा घृणा अपराध के तहत जांच की जा रही है। दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय से संबंध रखने वाले उत्तरी टेक्सास के संगठनों ने हमले की निंदा की और कहा कि उन्हें यह जानकर राहत मिली है कि संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। 'द डलास मॉर्निंग न्यूज' की खबर के मुताबिक, 'इंडिया एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ टेक्सास' के अध्यक्ष उर्मीत जुनेजा ने कहा कि उन्हें लगता है कि उत्तरी टेक्सास दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के लिए एक स्वागत योग्य और सुरक्षित स्थान रहा है।

संपादकीय

भर्ती की शर्त

यह खबर हरियाणा के लाखों छात्रों के लिए सुकून देने वाली है कि अगले शैक्षणिक सत्र से पहले ग्यारह हजार नये शिक्षकों की भर्ती होगी। शिक्षकों की कमी से जूझते स्कूलों के लिये यह घोषणा निस्संदेह राहतकारी है। साथ ही राज्य के लाखों बेरोजगार शिक्षकों के लिये भी नई उम्मीद की किरण है, बशर्ते अन्य बातें समान रहें। राज्य में नियुक्तियों से जुड़े विवाद व परीक्षा की अनियमितताओं के चलते अदालत के हस्तक्षेप के मामले विगत में प्रकाश में आते रहे हैं। बहरहाल, कुछ सरकारी स्कूलों को बंद करने को लेकर की जा रही राजनीति पर कुछ समय के लिये विराम जरूर लगेगा। दरअसल, शिक्षकों की कमी के चलते रेशनेलाइजेशन के कदम को लेकर राज्य में लगातार बयानबाजी होती रही है। सत्तारूढ़ दल व विपक्षी कांग्रेस द्वारा एक दूसरे के कार्यकाल में स्कूलों के बंद होने व विलय के आंकड़ों को लेकर दावे-प्रतिदावे किये जाते रहे हैं। कभी-कभी लगता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था राजनीति की प्रयोगशाला बन गयी है। नियुक्तियों को लेकर कई राज्यों में तमाम विवाद सामने आये हैं। हरियाणा में ही कई दिग्गज नेता इन आरोपों में घिरे हैं। ताजा मामला पश्चिम बंगाल का है। लगता है कि शिक्षा व्यवस्था राजनेताओं के लिये कामधेनु बन चुकी है। बहरहाल, राज्यों में शिक्षकों की नियुक्ति व व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर तार्किक व्याख्या की जानी चाहिए। इस सवाल पर गंभीर विमर्श होना चाहिए कि सरकारी स्कूलों से निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों का मोह भंग क्यों हो रहा है। क्यों निजी स्कूलों की महंगी चकाचौंध अभिभावकों व उनके बच्चों को मंत्रमुग्ध कर रही है। वह भी तब जब सरकारी स्कूलों में योग्य शिक्षकों व संरचनात्मक ढांचे में कोई कमी नहीं है। कहीं न कहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ाई 21वीं सदी के समाज की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं ढाली जा सकी है। कहीं न कहीं अभिभावकों में यह सोच घर करती जा रही है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी महंगे पब्लिक स्कूलों से निकले फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले छात्रों का मुकाबला नहीं कर पायेंगे।

बहरहाल, अकसर एक दलील दी जाती रही है कि यदि नेताओं व नौकरशाहों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य कर दिया जाये तो सरकारी स्कूलों का कायाकल्प हो सकता है। सरकारी स्कूलों के प्रति सताधीशों व शीर्ष अधिकारियों की उदासीनता कहीं न कहीं इस दलील को पुष्ट करती नजर आती है। दरअसल, शिक्षा को लेकर तमाम प्रयोगों व समय-समय पर बैठने वाले राष्ट्रीय शिक्षा आयोगों की सिफारिशों के बावजूद सरकारी स्कूलों की दशा सुधरती नजर नहीं आती। सुधार के प्रति राजनीतिक उदासीनता व तंत्र की विसंगतियां भी लक्ष्य पाने में बाधक बनी हैं। दरअसल, राज्यों में केंद्रीय स्तर पर सरकारी स्कूलों से जुड़ी व्यवस्था पर संवेदनशील ढंग से निगरानी की जरूरत है। यह ध्यान में रखते हुए कि देश व राज्यों में व्याप्त आर्थिक विषमता के चलते गरीबों बच्चों का अंतिम सहारा सरकारी स्कूल ही है। श्रमिक वर्ग व वंचित समाज के लोगों के बच्चे मिड डे मील जैसी सुविधाओं के चलते कुपोषण से बच पाते हैं। वहीं राजग सरकार के दौरान घोषित नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि स्कूलों में छोटी कक्षाओं से ही कौशल विकास की प्रवृत्ति विद्यार्थियों में विकसित की जाये। ताकि वे सरकारी नौकरी में भविष्य तलाशने के बजाय अर्जित कौशल से अपने पैरों पर खड़े हों। यह जानते हुए कि सरकारी नौकरियों का संकुचन लगातार जारी है छात्र-छात्राओं में मौलिक हुनर विकसित किया जाये। हरियाणा जैसे राज्य में, जिसकी खेल प्रतिभाओं ने पूरी दुनिया में धूम मचायी है, वहां खेल नर्सरियों की शुरुआत सरकारी स्कूलों से की जाये। यदि सरकारी स्कूल बच्चों के भविष्य के प्रति गंभीर होकर समय से कदमताल मिलाएंगे तो कोई वजह नहीं है कि सरकारी स्कूलों में फिर से बहार न आ पाये। ये वक्त की जरूरत भी है। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को भी एक कर्मचारी के बजाय एक गुरु का गुरुतर दायित्व निभाना होगा जिससे प्रभावित होकर छात्र-छात्राएं भी सरकारी स्कूलों को अपने भविष्य का लॉन्च पैड मानने लगें।

मानवीय करुणा का चरम

नकारात्मक समाचारों के उमड़ते समंदर के बीच से जब कोई मानवीय करुणा और उदात्तता का कोई समाचार सामने आ जाता है तो मनुष्य की मानवीयता से ज़िगती आस्था पुनः स्थापित होने लगती है। पांच बहनों का सबसे छोटा भाई 16 महीने का रिशांत के सिर में गिरने से गंभीर चोट लग गई। उसके पिता उपिंदर जो पेशे से निजी ठेकेदार हैं, बच्चे को निकट के एक निजी अस्पताल लेकर गए। जब यह अस्पताल उसके उपचार में असमर्थ दिखा तो इस बच्चे को दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के भरसक प्रयास के बावजूद बच्चे को बचाया नहीं जा सका और अंततः उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। घर के सबसे चहेते बच्चे का निधन मां-बाप के लिए एक भयावह आघात की तरह होता है, जिससे बाहर निकालना आसान नहीं होता। ऐसे क्षण व्यक्ति को कोई भी अन्यथा निर्णय नहीं लेने देते सिवाय इसके कि बच्चे का पारंपरिक तौर पर अंतिम संस्कार कर दिया जाए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिशांत के पिता उपिंदर ने इन क्षणों में भी वह निर्णय लिया जो कि गहन मानवीय तो था ही, अन्य बच्चों को जीवन दान देने वाला भी था। उपिंदर ने बच्चे का अंगदान कर दिया, जिससे अन्य पीड़ित बच्चों को उसके अंग मिल सके और वे जीवन की पुनर्प्राप्ति कर सकें। रिशांत की दोनों किडनी को एम्स में ही दिल्ली में इलाज करा रहे 5 वर्षीय बच्चे में प्रत्यारोपित किया गया, जबकि उसके लीवर को मैक्स अस्पताल में उपचार करा रही छह महीने की बच्ची में प्रत्यारोपित किया गया। रिशांत के दिल के वॉल्व और कॉर्नया को एम्स के बैंक में सुरक्षित रखा गया है। एम्स, नई दिल्ली के मुताबिक रिशांत सबसे कम उम्र का अंग दानकर्ता है। इससे पहले नोएड़ा की 6 साल की बच्ची रोली प्रजापति का अंगदान किया गया था। भावनात्मक दृष्टि से एक पिता के लिए ऐसा निर्णय करना कठिन होता है, लेकिन रिशांत के पिता ने व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर अपनी मानवीय करुणा को सामाजिक बना दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने नन्हें बच्चों की मृत्यु को दूसरों के लिए जीवन बना दिया। उस नन्हें बच्चे को श्रद्धांजलिम उसके पिता के प्रति गहरी सहानुभूति जिन्होंने अन्य के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

मानसिक गुलामी से मुक्ति की आवश्यकता

गिरीश्वर मिश्र

एक प्राथमिक समूह के रूप में परिवार सहज रूप में उपलब्ध रहता है और भारतीय परम्परा में माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का एक संजाल (नेटवर्क) स्वाभाविक या नैसर्गिक रूप में सक्रिय रहता है। समूह का हो जाने पर ही व्यक्ति को पूर्णता का अहसास होता है। यहां पर यह विचार अधिक प्रचलित स्वीकृत है कि अकेला अधूरा होता है। यहां जुड़ने की छटपटाहट और बेचैनी स्वाभाविक रूप से दिखती है। वैयक्तिकता कृत्रिम और अस्वाभाविक है। व्यक्ति के लिए उसकी अपनी सत्ता का अतिक्रमण करना ही विकास का उद्देश्य होता है। अहं के स्वच्छंद विस्तार की जगह उसका नियंत्रण व्यक्ति के विकास का एजेंडा होना चाहिए।

अमृत-महोत्सव के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने गुलामी की मानसिकता से मुक्त होने का आह्वान किया है । यह इसका स्मरण दिलाता है कि देश की आजादी अधूरी है। हम आज भी मानसिक रूप से पूरी तरह से स्वाधीन नहीं हो सके हैं। पराधीनता के बंधन में दास स्वामी की दृष्टि से स्वयं को और अपनी दुनिया को देखने का भी अभ्यस्त हो जाता है। अभ्यास में आने के बाद जब हम उसके आदी हो जाते हैं तो हमारी भावना, विचार और कर्म सभी उससे अनुबंधित हो जाते हैं। उसकी तीव्रता का अहसास भी खत्म होने लगता है और तब दासता दासता नहीं रह जाती। स्वतंत्रता की भ्रामक चेतना में गुलाम अपने आका की खुशी में ही अपनी भी खुशी देखता है। गुलामी की सोच या मनोवृत्ति (माइंड सेट) संकुचित या प्रतिबंधित दृष्टि के साथ बंधी बंधाई लीक पर चलने को बाध्य करती है। अनुगमन और अनुकरण करते रहना अपनी नियति मान कर इस तरह की सोच सर्जनात्मकता से भी विमुख करती है। इस मनोदशा में आदमी यह मान बैठता है कि कुछ भी नहीं हो सकता। इस हाल में आदमी के ऊपर संशय, अनिश्चय और हीनता की ग्रंथि हावी होने लगती है।

भारत का स्वतंत्रता संग्राम अंग्रेजी साम्राज्य की जिस गुलामी के विरुद्ध लड़ा गया था उससे देश को राजनीतिक स्वाधीनता तो 1947 में मिली परंतु आज जब देश की कमान स्वतंत्र देश में जन्मे नेताओं के हाथ में है तो स्वराज के अधूरेपन की टीस हरी हो रही है। पराधीन भारत में महात्मा गांधी ने 1909 में स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सिर्फअंग्रेजों और उनके राज्य को हटाने भर से स्वराज की प्राप्ति संभव नहीं है। उनके जाने पर भी उन्हीं की सभ्यता और उन्हीं के आदर्श यदि बने रहें, तो व्यावहारिक रूप से हम पहले जैसे ही बने रहेंगे। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने पश्चिम की सभ्यता को शैतानी सभ्यता घोषित किया और अपनी शंकाएं व्यक्त की थीं।

महात्मा गांधी में गुलामी का प्रतिरोध और अस्वीकार के साथ भारत की आत्मा की पहचान भी थी और उस चेतना को जगाने के लिए पश्चिमी सभ्यता की प्रखर आलोचना की थी । स्वराज के इस संकल्प पत्र का प्रतिफलन भारत में 1915 में आने के बाद के उनके निजी जीवन और सार्वजनिक उद्यम में देखा जा सकता है। पराधीन भारत में अपने आचरण और व्यवहार में गांधी ने स्वराज की संभावना की मूर्त छवियां भी प्रस्तुत कीं। उनके आश्रम और आन्दोलन इसकी सामाजिक प्रयोगशाला बने । इस दृष्टि से गांधी का रचनात्मक कार्यक्रम सामाजिक क्रांति का आगाज था जिसमें हिंसक आधुनिक सभ्यता के चंगुल से छूटना मुख्य ध्येय था।

उन्होंने पूर्ण स्वराज्य पाने के कार्यक्रम में राजनीतिक पहल और सामाजिक रचनात्मक कार्यक्रम दोनों की भूमिका को रेखांकित किया। वे सविनय अवज्ञा या सत्याग्रह को रचनात्मक कार्यक्रम का सहायक मानते हैं और देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने वाला कहते हैं। इस तरह उन्होंने औपनिवेशिकता का विकल्प सामाजिक परिवर्तन के रूप में प्रस्तुत किया था। गांधी

जी के शब्दों में रचनात्मक कार्यक्रम ही पूर्ण स्वराज्य या मुकम्मल आजादी को हासिल करने का सच्चा और अहिंसक रास्ता है। सिर्फअंग्रेजी सत्ता की समाप्ति नहीं बल्कि सर्वोदय उनका उद्देश्य था। वे एक जीते जागते निरामय समाज का निर्माण चाहते थे। स्वतंत्र भारत की कथा में बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए और सम्पूर्ण स्वराज आज भी अधूरा है। आज भ्रष्टाचार, पाखंड और नैतिक मूल्यों के ह्रास से देश जूझ रहा है। सार्वजनिक जीवन में मर्यादाएं टूट रही हैं और प्रवचन तथा नाटक के दौर चल रहे हैं।

इन सब स्थितियों पर गौर करें तो इस स्थिति के निर्माण में अनेक कारण हैं पर औपनिवेशिक आधिपत्य और उसके बाद हमने जो मार्ग अपनाया उसकी मुख्य भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। आधुनिकता का लबादा ओढ़ कर औपनिवेशिकता हावी रही और एक सभ्यता के रूप में हम उसका समाधान नहीं कर सके। औपनिवेशिक दौर में आर्थिक असमानता खूब थी और बाद में ?सी संस्थाएं खड़ी की गईं जो उनका प्रभुत्व बनाए रखें। उपनिवेशवाद मूलतः शोषण, दमन और हिंसा से बनता है। तीव्र वैश्वीकरण के युग में भी आज देश के आत्मबोध को सशक्त बनाने के लिए पश्चिम के औपनिवेशिक विचार के खांचों से बाहर निकल कर देखना होगा। परंतु गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पश्चिमी दृष्टि से ही मुक्ति नहीं है।

जैसा कि सर्वविदित है ब्रितानी साम्राज्य ने आधिपत्य जमा कर आर्थिक शोषण तो किया ही सांस्कृतिक व्यवस्था को भी समूल नष्ट करने की भपूर कोशिश की। दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में भी भारतीय सभ्यता का ज्ञान की दृष्टि से योगदान पश्चिमाभिमुख बुद्धिजीवी वर्ग ने पहचाना ही नहीं। भारत की आत्मा तो बंधन में ही रही। इसकी सामग्री और सैद्धांतिकी की लगातार उपेक्षा होती रही। साहित्य और संस्कृति का आधार भाषा होती है और देश की भाषाओं की हत्या की जाती रही। विचार और कल्पना पर भाषा का क्या प्रभाव पड़ता है यह जानकर औपनिवेशिक प्रभाव को बनाए रखने के लिए अंग्रेजी भाषा को स्थापित किया गया। भाषा सिर्फ संचार का माध्यम ही नहीं बल्कि संस्कृति की वाहिका भी होती है। उसमें इतिहास, भावनाएं और सामाजिक चेतना भी निवास करती है। भाषा में सांस्कृतिक मूल्य और आदर्श रचे-बसे होते हैं। भाषा की अपनी विश्व दृष्टि भी होती है। आरोपित भाषा हमें अपने विचार, मूल्य और कल्पना से विलग करती है। तब हम अपने से बाहर निकल कर खुद (स्व!) को देखने और पहचानने का काम करते हैं मानों कि वह कोई (अन्य !)दूसरा है।

कल्पना का यह आईना यूरोप, उसकी संस्कृति को केंद्र मान कर सारी दुनिया उसी की दृष्टि से देखता है। थोड़ा विचार करें तो यही लगता है कि भाषा में लोक के अनुभवों का सामाजिक स्मृति कोश स्पंदित होता रहता है और उसे संस्कृति से अलग करना मुश्किल है। अंग्रेजों ने अपनी भाषा लादकर हम खुद को और दुनिया को कैसे देखते हैं इस पर नियंत्रण किया। इस उपकरण से मानसिक जगत को हथियाने का काम किया गया। जब देश को आजादी मिली तो हम राजनीतिक दृष्टि से इंडिपेंडेंट तो हुए पर अंग्रेजी पर, यूरोपीय ज्ञान, शासन-संरचना और उसकी परम्परा से मुक्ति नहीं मिली। पश्चिम के मानस कारागृह से बाहर निकलना न हो सका। सभ्यता के आलोक में वर्तमान से संवाद नहीं हुआ। यही नहीं पश्चिम की आलोचना भी उन्हीं के दिए खांचे में होने लगी।

इस चर्चा में भारत की पहचान और उसका स्वरूप एक विचारणीय प्रश्न के रूप में उभरता है। निश्चय ही भारत की विविधता और बहुलता उसकी एक उल्लेखनीय विशेषता है जो संरचना और स्वभाव की दृष्टि से उसे राष्ट्र राज्य (नेशन स्टेट) के विचार के सामने सभ्यतामूलक देश की अवधारणा की ओर अधिक उन्मुख करती है। इसी से यह देश प्राचीन काल से परिचित रहा है और यहां का लोकमानस इसी ढंग से काम भी करता है। यहां की धरती पर उपजे और पनपे विचारों में लोक, जन और सर्व जैसे विचार बड़े पुराने प्रतीत होते हैं। उसी की अभिव्यक्ति है कि आज भी 'हम' शब्द का 'मैं' के अर्थ को व्यक्त करने के लिए प्रयोग में प्रचलित है। अभी भी अनोखे अकेले व्यक्ति की तुलना में सामूहिक और क्षेत्रीय पहचान अधिक महत्वपूर्ण है। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि मानव शिशु का जन्म परिवार में होता है और उसकी समूह-निर्भरता जीवन जीने की एक प्राथमिक शर्त बन जाती है। समूहप्रियता का प्रयोजन और उपयोगिता एक सार्वजनीन सत्य है।

एक प्राथमिक समूह के रूप में परिवार सहज रूप में उपलब्ध रहता है और भारतीय परम्परा में माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का एक संजाल (नेटवर्क) स्वाभाविक या नैसर्गिक रूप में सक्रिय रहता है। समूह का हो जाने पर ही व्यक्ति को पूर्णता का अहसास होता है। यहां पर यह विचार अधिक प्रचलित स्वीकृत है कि अकेला अधूरा होता है। यहां जुड़ने की छटपटाहट और बेचैनी स्वाभाविक रूप से दिखती है। वैयक्तिकता कृत्रिम और अस्वाभाविक है। व्यक्ति के लिए उसकी अपनी सत्ता का अतिक्रमण करना ही विकास का उद्देश्य होता है। अहं के स्वच्छंद विस्तार की जगह उसका नियंत्रण व्यक्ति के विकास का एजेंडा होना चाहिए। अगर वेदांत अहं ब्रह्मास्मि का उद्घोष करता है तो वहां भी अपने विस्तार की बात है ताकि व्यक्ति का स्व सर्व समावेशी हो जाए। सबको साथ ले कर चलने वाले स्व ही मुक्त होता है। बंधनों से मुक्त होने पर ही अपने स्वरूप का पता चलता है। भारत की मानसिक गुलामी से उबरने के लिए उसे अपने स्वरूप और अस्मिता को अपनी दृष्टि से पुनः पहचानना होगा ।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

ब्लॉगर

टोमैटो फ्लू के लक्षण, कारण और उपचार

योगेश कुमार गोयल

कोरोना और मंकीपॉक्स के बाद अब बच्चों को टोमैटो फ्लू गिरफ्त में ले रहा है। इस संक्रमण ने स्वास्थ्य मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी है। भारत में पहली बार 6 मई को केरल के कोल्लम जिले में एक बच्चे में टोमैटो फ्लू की पुष्टि हुई थी। 'लांसेट' जर्नल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक तब से जुलाई तक केरल में इसके 82 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। ओडिशा में 26 से ज्यादा बच्चे इससे बीमार हो चुके हैं। सभी बच्चों की उम्र नौ साल से कम है और यह संक्रमण अब तमिलनाडु और कर्नाटक में भी फैल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर पांच साल तक के बच्चों को निशाना बनाने वाला यह फ्लू आंतों के वायरस के कारण होता है। यह वायरस से बचाव के लिए पर्याप्त प्रतिरक्षा प्रणाली होने के कारण व्यस्कों में दुर्लभ होता है। प्रारंभिक रिपोर्टों में सामने आया है कि यह एक दुर्लभ प्रकार का वायरल संक्रमण है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि यह रेयर इंफेक्शन है। यह डेंगू या चिकुनगुनिया के बाद हो सकता है।

टोमैटो फ्लू के नाम से ऐसा लगता है, जैसे यह टमाटर खाने से होने वाली कोई बीमारी है। वास्तव में इसका टमाटर से कोई संबंध नहीं है। इसे टोमैटो फ्लू नाम इसीलिए दिया गया है क्योंकि इसमें शरीर पर टमाटर के आकार जैसे फफोले हो जाते हैं। इसके अधिकांश लक्षण दूसरे वायरल इंफेक्शन जैसे ही होते हैं। टोमैटो फ्लू वास्तव में एक वायरल बीमारी है। इसमें 10 साल से कम उम्र के बच्चों को बिना निदान के बुखार का अनुभव होता है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह बीमारी कैसे फैलती है। विशेषज्ञ इससे बचने के लिए

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखना और हाइजीन का खास ख्याल रखना जरूरी बता रहे हैं। अभी तक के अनुभवों के आधार पर विशेषज्ञों का कहना है कि टोमैटो फ्लू से बच्चों की जान का खतरा ज्यादा नहीं है लेकिन यह बेहद संक्रामक है। विशेषज्ञों के मुताबिक टोमैटो फ्लू एक तरह की 'हैंड, फुट एंड माउथ' वाली बीमारी है। इसमें हाथ, पैर और मुंह पर लक्षण दिखते हैं। बुखार आने के बाद त्वचा पर लाल निशान पड़ना इसका प्रमुख लक्षण है। हाथ, पैर और मुंह पर बड़े दाने होने लगते हैं। इनका रंग प्रायः टमाटर जैसा लाल होता है और चकतों का आकार भी धीरे-धीरे बढ़कर टमाटर जैसा हो जाता है। चिकित्सकों ने टोमैटो फ्लू के चकतों के दानों की तुलना मंकीपॉक्स से जबकि बुखार के लक्षणों की तुलना डेंगू, चिकनगुनिया और हाथ, पैर तथा मुंह की बीमारी से की है। चिंतित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कई राज्यों को अलर्ट पर रखा है। जागरुकता अभियान भी शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि आसपास यदि कोई इस बीमारी से पीड़ित है तो उससे दूरी बनाकर रखें और खासकर बच्चों को ऐसे मरीज के करीब न आने दें। टोमैटो फ्लू की चपेट में आए बच्चे को अलग कमरे में रखते हुए उसके निकट सम्पर्क से बचने का प्रयास करें। ऐसे मरीज को 5-7 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाए। संक्रमित बच्चे के कपड़े, बर्तन तथा अन्य सामान को अलग रखना बेहद जरूरी है।

अब यह साफ हो चुका है कि टोमैटो फ्लू का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है। इसलिए इसे केवल लक्षणात्मक रूप से प्रबंधित किया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बीमारी की सबसे बड़ी समस्या रोगी के शरीर में पानी की कमी हो जाना है। शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए पानी, फलों का जूस, शर्बत इत्यादि पिलाते रहना बहुत जरूरी है। यदि बच्चा तरल पदार्थ नहीं ले रहा है तो ऐसे स्थिति में उसे अस्पताल में भर्ती कराकर ड्रिप लगवाना जरूरी हो जाता है। घरेलू उपाय न अपनाकर बच्चे को फौरन डाक्टर को दिखाना चाहिए। टोमैटो फ्लू एक तरह से चिकनगुनिया, डेंगू और हाथ, पैर तथा मुंह की बीमारी के लक्षणों के समान है। इसलिए इसका इलाज भी इन्हीं के समान माना जा रहा है। टोमैटो फ्लू की अभी तक कोई अलग से दवाई नहीं है। जो दवाई वायरल संक्रमण होने पर दी जाती है, उसी का इस्तेमाल इसके उपचार में किया जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एशिया कप क्रिकेट

भारत का बहुत कुछ दांव पर

मनोज चतुर्वेदी

अब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता में पहले जैसा करंट तो नहीं दिखता है। पर दोनों के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार अभी भी किया जाता है। यही वजह है कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटप्रेमियों को ही नहीं बल्कि सारे जहान के क्रिकेट प्रेमियों को दोनों देशों के बीच 28 अगस्त को खेले जाने वाले एशिया कप मुकाबले का इंतजार है। दोनों देशों के मुकाबले में भले ही अब मर-मिटने वाला अंदाज नहीं दिखता पर यह जरूर है कि आज भी दोनों में से कोई भी टीम हारना पसंद नहीं करती है और दोनों का यही रुख मुकाबले की रोमांचकता को बढ़ाता रहा है। यही कारण है कि चाहे आईसीसी हो या एशियाई क्रिकेट महासंघ दोनों ही इन मुकाबलों की लोकप्रियता को भुनाने में नहीं चूकते हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में 27 अगस्त से 11 सितम्बर तक होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखने का परिणाम यह है कि यह है कि दोनों परंपरागत प्रतिद्वंद्वी इसमें तीन बार आमन-सामने हो सकते हैं।

इस बार फॉर्मेट यह है कि दोनों ग्रुपों की टॉप दो टीमें सुपर फोर में स्थान बनाएंगी, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों के पहुंचने की उम्मीद की ही जा सकती है। सुपर फोर की टॉप दो टीमों के बीच फाइनल खेला जाना है। वैसे इस टूर्नामेंट में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश की भी मजबूत टीमें हैं, इसलिए कोई भी टीम फाइनल में पहुंचने का माद्दा रखती है। पर भारत और पाकिस्तान के बीच दो मुकाबले तो तय ही लगते हैं। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मुकाबले भारतीय टीम पिछले काफी समय से बेहतर प्रदर्शन करती रही है। एशिया कप में भारत का रिकॉर्ड भी बेहतर है। दोनों देशों के बीच अब तक खेले गए 14 मैचों में से आठ बार भारत और पांच बार पाकिस्तान जीता है और एक में कोई परिणाम नहीं निकला, लेकिन पिछले साल टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से शिकस्त देकर यह भरोसा तो बना लिया है कि वह अपनी इस परंपरागत प्रतिद्वंद्वी को फतह करने का माद्दा रखती है।

पर शेन वाटसन को भारत के इस विश्व कप को जीतने की बेहतर संभावनाएं लगती हैं। इसकी वजह वह पिछले साल हुए टी-20 विश्व कप के बाद से भारत ने खेले 24 टी-20 मैचों में से 19 जीता है। पाकिस्तान को विश्व कप के बाद से बहुत मैच खेलने को नहीं मिले हैं और उन्होंने सात ही मैच खेले हैं, जिसमें से सिर्फ एक ऑस्ट्रेलिया के हाथों हारा है। वह इस साल तो बहुत ही कम टी-20 मैच खेली है। भारत की निगाहें लगातर तीसरी बार एशिया कप जीतने पर रहेंगी। भारत असल में ढांचागत सुविधाओं के मामले में एशिया के बाकी सभी देशों से बहुत आगे है और उसने पिछले एक-डेढ़ दशक में ऐसी छवि बनाई है कि दुनिया की हर दिग्गज टीम भारत से खेलना चाहती है। इसकी वजह शायद भारत के साथ खेलने से बोडरे की अच्छी-खासी कमाई होना है। यह स्थिति अन्य टीमों की कतई नहीं है। इसलिए बाकी टीमों को भारत की तरह खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिलते हैं। इसके अलावा भारत में आईपीएल के आयोजन की वजह से प्रतिभाओं की भी भरमार रहती है। यही वजह है कि भारतीय टीम एक साथ दो टीमें भी दौरे पर भेजने लगी है। इन सब कारणों से भारत अन्य टीमों के मुकाबले आगे नजर आता है। फिर भी पाकिस्तान के अलावा श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश अपना दिन होने पर चौंकाने का माद्दा तो रखते ही हैं।

भारतीय क्रिकेट प्रेमी जिस उत्सुकता से पाकिस्तान के साथ मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं, उतनी ही उनकी उत्सुकता स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के बल्ले से रनों की आग उगलते देखने की भी है। असल में विराट कोहली काफी लंबे समय से रंगत से दूर बने हुए हैं। सभी विशेषज्ञ मानते हैं कि उन्हें रंगत में आने के लिए सिर्फ एक अच्छी पारी का इंतजार है। पर सवाल यह है कि वह पारी आएगी कब। वह यदि इसमें भी रंगत नहीं पाते हैं तो इस साल 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप में खेलने की उनकी संभावनाएं कम हो सकती हैं। वैसे विराट का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने सात टी-20 मैचों में 77.75 के औसत से 311 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

दोनों देशों के बीच पिछले साल टी-20 विश्व कप में विराट को सस्ते में निकालने वाले शाहीन शाह आफरीदी के चोटिल होकर बाहर होने का फायदा मिल सकता है। विराट कोहली के एशिया कप में रंगत पाते ही भारत की साल आखिर में टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाली टीम को भी अंतिम रूप मिल जाएगा। इसके बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीजों से अपनी तैयारियों को मापने का मौका मिल जाएगा। इस मुकाबले में दोनों टीमों के स्ट्राइक गेंदबाज बुमराह और शाहीन की अनुपस्थिति में बाकी गेंदबाजों के प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर रहने वाला है।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दो स्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापल्ली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

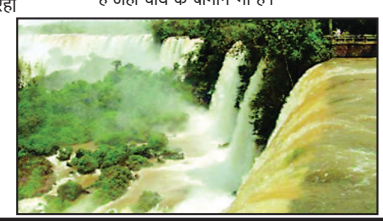

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल से कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए।

राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार में एक फीसदी की गिरावट रही

मुंबई ।
पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगातार पांच सप्ताह की तेजी थमती देखी गई। मिलेजुले वै श्विक संकेतों के बीच बाजार साप्ताहिक आधार पर एक फीसदी से थोड़ा ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह बाजार गिरावट के साथ शुरू हुआ था और पूरे सप्ताह शेयर बाजार सौ मित दायरे में घूमता रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 419.69 अंक गिरकर 59,226.46 पर खुला और 872.28 अंक लुढ़ककर 58,773.87 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 140.6 अंक गिरकर 17,617.85 पर खुला और 267.75 अंक की गिरावट के साथ 17,490.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 601.39 अंक गिरकर 58,172.48 पर खुला और 257.43 अंक चढ़कर 59,031.30 पर बंद हुआ। निफ्टी 145.5 अंक गिरकर 17,345.20 पर खुला और 86.80 अंक की तेजी के साथ 17,577.50 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 82.36 अंक चढ़कर 59,113.66 पर खुला और 54.13 अंक की बढ़त के साथ 59,085.43 पर बंद हुआ। निफ्टी 43.95 अंक गिरकर 17,533.55 पर खुला और 27.45 अंक की बढ़त के साथ 17,604.95 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 305.74 अंक चढ़कर 59,391.17 पर खुला और 310.71 अंक की गिरावट के साथ 58,774.72 पर बंद हुआ। निफ्टी 85.05 अंक बढ़कर 17,690 पर खुला और 82.50 अंक टूटकर 17,522.45 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रूख के बीच टाइटन, विप्रो और इंफोसिस जैसे बड़े शेयरों में लिवाली के चलते शुक्रवार को सेंसेक्स 520.85 अंक बढ़कर 59,295.57 पर खुला और 59.15 अंक चढ़कर 58,833.87 पर बंद हुआ। निफ्टी 163.4 अंक चढ़कर 17,685.85 अंक पर खुला और 36.45 अंक की तेजी के साथ 17,558.90 पर बंद हुआ।

मारुति कारों की विदेशों में भी बढी डिमांड

-मेड इन इंडिया कारों के एक्सपोर्ट में समय से साथ आई तेजी

नई दिल्ली । भारत में तैयार कारों की विदेशी बाजारों में भी अच्छी डिमांड है। मेड इन इंडिया कारों के एक्सपोर्ट में समय से साथ तेजी देखने को मिल रही है। जुलाई में मारुति सुजुकी की पॉपुलर सेडान मारुति डिजायर टॉप पोजिशन पर रही। इसके बाद किआ सेल्टॉस, ह्यूदै वरना, निसान सनी और मारुति सुजुकी एस-प्रेसो जैसी कारें रहीं।पिछले महीने का कार एक्सपोर्ट डेटा देखें तो मारुति सुजुकी डिजायर सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट की गई, यानी इस कार की कुल 5601 यूनिट विदेशों में भेजी गईं और इसके बाद किआ सेल्टॉस का नंबर रहा और इसकी कुल 4,549 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। तीसरे नंबर पर हुंडई वरना रही और इसकी कुल 3998 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। निसान सनी चौथे नंबर पर रही और इस कार की कुल 3884 यूनिट एक्सपोर्ट की गई। 5वें नंबर पर मारुति एस-प्रेसो रही और जिसकी कुल 3675 यूनिट पिछले महीने यानी जुलाई 2022 में एक्सपोर्ट की गई।जुलाई 2022 कार एक्सपोर्ट लिस्ट देखें तो छठे नंबर पर हुंडई ग्रैंड आई10 नियॉस रही और इस कार की कुल 3277 यूनिट एक्सपोर्ट की गई और इसके बाद किआ मोटर्स की कॉम्पैर्ट एसयूवी किआ सॉनेट की कुल 2928 यूनिट एक्सपोर्ट की गई।

इस सप्ताह सोना और चांदी में रही तेजी

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोना और चांदी में तेजी दर्ज की गई। एक वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 118 रुपए की तेजी आई है। इस हफ्ते की शुरुआत 22 अगस्त को सोना 51,550 रुपए पर था, जो अब 51,668 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी में 3 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते चांदी 55,166 रुपए से बढ़कर 55,607 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। भारत समेत दुनियाभर के विश्लेषकों का अनुमान है कि इस साल के आखिर तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,000 डॉलर और घरेलू बाजार में 60,000 रुपए तक पहुंच सकता है। जानकारों के अनुसार देश में जरूर महंगाई कम हो रही है, लेकिन वैश्विक पैमाने पर कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। इससे सोने को सपोर्ट मिल रहा है, क्योंकि इसे महंगाई से बचाव का साधन (हेजिंग) माना जाता है। कई दूसरी परिस्थितियां भी सोने के अनुकूल हैं। मसलन अमेरिका में मंदी की आशंका, ब्याज दरों में बढ़ोतरी थमने के आसार, शेयर बाजारों में गैर-वाजिब तेजी और भू-राजनीतिक तनाव। सोना अभी अपने सार्वको लिक उच्च स्तर से करीब 4,532 रुपए नीचे आ गया है। गौरतलब है कि सोने ने अगस्त 2020 में अपना सार्वकालिक उच्च स्तर बनाया था। उस वक्त सोना 56,200 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर तक चला गया था। वहीं चांदी अपने उच्चतम स्तर से करीब 24,373 रुपए प्रति किलो की दर से सस्ती मिल रही है।

मर्सिडीज-एएमजी ईक्यूएस फ्लैगशिप ईवी सेडान लॉन्च

-भारत में 2.45 करोड़ रुपये इसकी शुरुआती कीमत

नई दिल्ली । भारत में 2.45 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत पर मर्सिडीज-बेंज ने मर्सिडीज-एएमजी ईक्यूएस फ्लैगशिप ईवी सेडान को लॉन्च कर दिया है। कस्टमर प्रिव्यू के लिए यह गाड़ी स्थानीय डीलरशिप पर पहुंचना शुरू हो गई है। मर्सिडीज-बेंज ईक्यूसी इलेक्ट्रिक एसयूवी के बाद यह हमारे बाजार में ब्रांड का दूसरा इलेक्ट्रिक व्हीकल है। यह इलेक्ट्रिक कार की मात्र 3.4 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। वहीं इस इलेक्ट्रिक कार की टॉप स्पीड 250 किमी प्रति घंटा है। मर्सिडीज-एएमजी ईक्यूएस 53 4मैटिक+ इलेक्ट्रिक सेडान में स्पोर्टी लुक है। फ्रंट लुक की बात करें तो इसमें वर्टिकल क्रोम स्ट्रट्स के साथ एएमजी- ब्लैक पैनल ग्रिल, बॉडी-कलर्ड फ्रंट बम्पर, डिजिटल लाइट हेडलैम्प्स, एएमजी लेटरिंग और मर्सिडीज स्टार बैजिंग है। बम्पर में हॉलमार्क एएमजी ए-विंग डिज़ाइन है जो क्रोम ट्रिम के साथ ग्लॉस ब्लैक में समाप्त हुआ है। साइड प्रोफाइल में हाई-ग्लॉस ब्लैक में एएमजी साइड सिल पैनल दिया गया है। नई मर्सिडीज-एएमजी ईक्यूएस 53 4मैटिक+ इलेक्ट्रिक सेडान के केबिन में कई एएमजी फीचर्स हैं, जो स्पोर्टी फील देते हैं। मर्सिडीज एएमजी ईक्यूएस ईवी में 200केडब्ल्यू की बैटरी लगी हुई है। इसको आप फास्ट चार्जर से 19 मिनट में 300 किमी तक चलने लायक बैटरी को चार्ज कर सकते हैं। परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक सेडान 6-पिस्टन कैलिपर्स के साथ एएमजी हाई-परफॉर्मेंस कंपाउंड ब्रेक सिस्टम के साथ आती है।

एयर इंडिया कर्मियों का 1 सितंबर से कोरोना से पहले वाला वेतन होगा बहाल

नई दिल्ली । महाराजा यानि एअर इंडिया के टाटा समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद यहां कर्मचारियों के लिए राहत देने वाला निर्णय कंपनी ने किया है। कंपनी ने 1 सितंबर से पूर्व-कोविड स्तरों वाली वेतन बहाल करेगी। इसके अलावा, क्रू लेओवर भत्ते और भोजन व्यवस्था को भी रिवाइज करने का भी निर्णय लिया है। कोरोना महामारी के कारण कर्मचारियों के वेतन में कटौती चल रही थी। एअर इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर कैम्पबेल विल्सन ने यह घोषणा की है। कैम्पबेल विल्सन ने कहा है कि एयरलाइन के सभी कर्मचारियों के वेतन में की जा रही कटौती 1 सितंबर 2022 से बंद कर दी जाएगी। इसमें महत्वपूर्ण बात ये है कि कंपनी अब भी भारी घाटे में चल रही है, इसके बावजूद मैनेजमेंट ने कर्मचारियों को राहत देने वाला यह फैसला किया है। कैम्पबेल ने कहा कि कंपनी को घाटे से उबारकर मुनाफा कमाने की हालत में पहुंचाने के लिए भी ढेर सारे कदम उठाने हैं। लेकिन मैनेजमेंट का मानना है कि कोविड महामारी के दौरान जो इमरजेंसी उपाय किए गए थे उसको बंद करने का समय आ गया है। घाटे में चल रही एयरलाइन को टाटा समूह ने पिछले साल 8 अक्टूबर को सफलतापूर्वक बोली जीतने के बाद 27 जनवरी को टेकओवर किया था। इस साल की शुरुआत में, एअर इंडिया ने चरणबद्ध तरीके से महामारी पूर्व स्तर पर वेतन बहाल करना शुरू किया। हालांकि एअर इंडिया ने इस मामले में मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कोरोना की वजह से लॉकडाउन लगा और एयरलाइन सेक्टर लगभग बंद हो गया था। इस वजह से ज्यादातर कंपनियों ने कर्मचारियों के वेतन में कटौती की थी। पायलटों और क्रू मेंबर्स के उड़ान भत्तों और स्पेशल अलाउंस में 35 से 40 फीसदी तक की कटौती की गई थी। एअर इंडिया ने 1 सितंबर से एयरलाइन में काम करने वाले क्रू मेंबर्स यानी चालक दल के सदस्यों के भत्तों में संशोधन करने का फैसला भी किया है।

80 मिलियन डॉलर में मुकेश अंबानी ने छोटे बेटे अंनत के लिए दुबई के पाम जुमेराह बीच पर विला खरीदा

नई दिल्ली ।

भारत के सबसे अमीर शख्सों में से एक और रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बड़ी डील की है। मुकेश अंबानी ने दुबई में बीच साइड विला के मिस्ट्री खरीदार हैं। इस विला की कीमत 80 मिलियन डॉलर (6,396,744,880 रुपये) है। मुकेश इस शहर में अब तक के सबसे बड़े रेसिडेंसियल संपत्ति खरीदने वाले शख्स हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाम जुमेराह बीच पर संपत्ति को इस साल की शुरुआत में मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत के लिए खरीदी गई है।

समुद्र तट के किनारे की हवेली हथेली के आकार के कृत्रिम द्वीपसमूह के उत्तरी भाग में स्थित है। इसमें 10 बेडरूम, एक निजी स्पा और इनडोर और आउटडोर पूल है। दुबई अल्ट्रा-रिच के लिए एक पसंदीदा मार्केट के रूप में उभर रहा है। वहां कि सरकार ने लंबी अवधि के लिए गोल्डन वीजा की पेशकश कर के और विदेशियों के लिए घर खरीदने के लिए प्रतिबंधों में ढील देकर आकर्षित किया है। ब्रिटिश फुटबॉलर डेविड बेकहम और शाहरुख खान जैसे दिग्गज अंबानी के नए पड़ोसी हैं। अनंत 93.3 अरब डॉलर की अंबानी की संपत्ति के तीन वारिसों में से एक हैं। दुनिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति 65 वर्षिय मुकेश अंबानी धीरे-धीरे अपने कारोबार की बागडोर अपने बच्चों को सौंप रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी परिवार विदेशों में अपनी अचल संपत्ति के बढ़ा रहा है। तीनों भाई-बहन अपने दूसरे होम के लिए पश्चिमी देशों की तरफ रुख कर रहे हैं। पिछले साल, रिलायंस ने यूके में स्टोक पार्क लिमिटेड को खरीदने के लिए 79 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। इसमें जॉर्जियाई-युग की हवेली है इस बड़े बेटे आकाश के लिए खरीदा गया था। आकाश को हाल ही में रिलायंस की टेलीकॉम कंपनी जियो इन्फोकॉम लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, आकाश की बहन ईशा अंबानी न्यूयॉर्क में एक घर की तलाश कर रही हैं। दुबई में हुई संपत्ति डील को सीक्रेट रखा गया है। अंबानी इस अपने मुताबिक बनाने के लिए और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाखों डॉलर खर्च करने वाले हैं। लंबे समय से अंबानी के सहयोगी परिमल नाथवानी, समूह में कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक विला का प्रबंधन करने वाले हैं। हालांकि, अंबानी का प्राथमिक निवास मुंबई में 27 मंजिला गगनचुंबी इमारत एंटीलिया ही रहेगा। नीले पानी के लुभावने दृश्यों के साथ पाम जुमेराह आइलैंड्स पर लग्जरी होटल, शानदार क्लब, स्पा, रेस्तरां और शानदार अपार्टमेंट टावर बने हैं. इसका निर्माण 2001 में शुरू हुआ था और 2007 के आसपास लोगों ने वहां पर रहना शुरू कर दिया था। दुबई का प्रॉपर्टी मार्केट वहां की अर्थव्यवस्था में लगभग एक तिहाई का योगदान देता है। नए नियमों के तहत निवेशक कम से कम 20 लाख दिरहम की संपत्ति खरीदने पर 10 साल का वीजा प्राप्त कर सकते हैं।

आरबीआई ने सिटी यूनियन बैंक की निरीक्षण रिपोर्ट को सार्वजनिक किया

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आरटीआई कानून के तहत सिटी यूनियन बैंक की अपनी निरीक्षण रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने इस तरह की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के केंद्रीय बैंक के विरोध को खारिज कर दिया था। सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत रिपोर्ट मांगने के लगभग आठ महीने बाद आरबीआई ने सूचना कार्यकर्ता सुभाष अग्रवाल को रिपोर्ट दी। अग्रवाल ने कहा कि आखिरकार आरबीआई ने अपने दिनांक 22.08.2022 के पत्र के माध्यम से आरटीआई अधिनियम के तहत एक बैंक की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की है। हालांकि, ऐसा 13.08.2021 को आरटीआई आवेदन दाखिल करने के आठ महीने से अधिक समय के बाद किया गया। इसमें बहुत देरी हुई, क्योंकि आरबीआई को आरटीआई आवेदन मिलने के 45 दिनों के भीतर सूचना देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने कुछ अन्य बैंकों की निरीक्षण रिपोर्ट इस आधार पर नहीं दी कि संबंधित बैंकों ने आरटीआई कानून की धारा-11 के तहत ऐसे बैंकों को जारी आरबीआई नोटिस के खिलाफ केंद्रीय सूचना आयोग से संपर्क किया था। इस धारा के तहत सूचना देने के लिए तीसरे पक्ष की सहमति जरूरी है। आरबीआई को उच्चतम न्यायालय के आदेश को सच्चे अर्थों में लागू करना चाहिए और आरटीआई कानून की धारा 4 (1) (बी) के तहत सभी बैंकों की निरीक्षण रिपोर्ट को अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 26 अप्रैल 2019 को स्पष्ट किया था कि आरबीआई राष्ट्रीय आर्थिक हित के मामलों को छोड़कर आरटीआई कानून के तहत निरीक्षण रिपोर्ट और अन्य सामग्री से संबंधित सभी जानकारी देने के लिए बाध्य है।

फेडरल रिजर्व के प्रमुख ने अपना कड़ा रुख जारी रहने के दिए संकेत

वाशिंगटन । मुद्रास्फीति के लगातार ऊंचे स्तर पर रहने से परेशान अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने अपना कड़ा मौद्रिक रुख आगे भी जारी रखने के स्पष्ट संकेत दिए। चार दशकों में सबसे ऊंची मुद्रास्फीति से गुजर रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए फेडरल रिजर्व ने पिछले कुछ महीनों से नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी का रुख अपनाया हुआ है। पॉवेल ने जैक्सन होल में आयोजित फेडरल रिजर्व की सालाना आर्थिक संगोष्ठि को संबोधित करते हुए कहा कि फेडरल का कर्ज को लेकर सख्त रुख जारी रहने से परिवारों एवं कारोबारों को काफी तकलीफ होगी। कर्ज की दरें महंगी होने से अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होगी और नौकरियों के जाने का भी खतरा होगा। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति को नीचे लाने की यह दुर्भाग्यपूर्ण लागत है। लेकिन कीमतों में स्थिरता लाने में नाकाम रहना कहीं ज्यादा दर्दनाक होगा। निवेशकों ने पिछले कुछ दिनों से फेडरल रिजर्व के रुख में नरमी आने की उम्मीद लगाई हुई थी लेकिन पॉवेल के इस संबोधन ने उनकी उम्मीदें तोड़ दी हैं। उन्होंने ऐसे संकेत दिए हैं कि ब्याज दरों में कमी करने का वक्त अभी नहीं आया है। फेडरल रिजर्व ने पिछले दो बार 0.75-0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी नीतिगत दर में की है। यह 1980 के दशक के बाद फेडरल रिजर्व की सर्वाधिक तीव्र वृद्धि रही है।

आईएचसीएल का 2025 तक 300 होटल का पोर्टफोलियो हासिल करने का लक्ष्य

मुंबई ।

टाटा समूह की आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने कहा कि वह 2025 तक कुल 300 होटलों के अपने लक्षित पोर्टफोलियो को हासिल करने की दिशा में बढ़ रही है। कंपनी के पास वर्तमान में ताज, सेलेक्शंस, विवांता और जिंजर जैसे ब्रांड के कुल 242 होटल हैं, इसमें से 61 निर्माणाधीन हैं। इन होटलों में कुल 29,000 कमरे हैं। आईएचसीएल ने कहा कि अपनी 'आह्वान 2025' रणनीति के तहत रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से वह प्रमुख वैश्विक बाजारों के अलावा पूर्वोत्तर भारत जैसे क्षेत्रों में विस्तार करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत चटवाल ने कहा कि आईएचसीएल ने पिछले 24 महीनों में हर महीने दो होटल अनुबंधों के साथ तेजी से विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि आईएचसीएल 2025 तक 300 होटल के पोर्टफोलियो के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तैयार है। विस्तार के क्रम में, 2025 तक कंपनी के प्रमुख ब्रांड ताज के होटल मौजूदा 89 से बढ़कर 100 हों जाएंगे। इस तरह, विवांता और सेलेक्शंस ब्रांड के होटल मौजूदा 64 से बढ़कर 75 के पोर्टफोलियो तक पहुंच जाएंगे। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि जिंजर ब्रांड के होटलों की संख्या वर्तमान के 89 से बढ़कर 125 होगी।

आईएचसीएल की 2025 तक अपने ब्रांडेड होमस्टे पोर्टफोलियो 'एमा स्टेज एंड ट्रेल्स' को मौजूदा 98 बंगलों से बढ़ाकर 500 संपत्तियों तक करने का लक्ष्य है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमत हर रोज जारी होती है। सरकारी तेल कंपनियां रोज सुबह पेट्रोल और डीजल की नई कीमत जारी करती हैं। जिसे आप मोबाइल एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच शे निवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के भाव की अप-डाउन हो रहे हैं। आज क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से हल्का सा नीचे कारोबार कर रहा है। देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतें 6 अप्रैल के बाद से ही नहीं बढ़ाई गई हैं। शे निवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

अब ग्राहकों का डेटा नहीं बेचेगी आईआरसीटीसी, टेंडर लिया वापस

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने अपने ग्राहकों के डेटा मोनेटाइजेशन के लिए सलाहकार नियुक्त करने संबंधी विवादास्पद टेंडर वापस ले लिया है। अधिकारियों ने कहा कि प्राइवेसी पर चिंताओं के बाद यह फैसला किया गया। आईआरसीटीसी ने आईटी पर संसद की स्थायी समिति को बताया कि टेंडर को वापस ले लिया गया है। इस समिति के अध्यक्ष कांग्रेस नेता शशि थरूर हैं। दरअसल, डेटा मोनेटाइजेशन के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति के लिए टेंडर जारी करने पर एक रिपोर्ट के बाद संसदीय समिति ने आईआरसीटीसी के अधिकारियों को तलब किया था। आईआरसीटीसी की एमडी और चेयरपर्सन रजनी हसीजा अन्य अधिकारियों के साथ समिति के सामने पेश हुईं। आईआरसीटीसी के एक अधिकारी ने समिति को बताया कि आईआरसीटीसी ने डेटा संरक्षण विधेयक को मंजूरी न मिलने के चलते टेंडर वापस ले लिया है। समिति की सुनवाई से पहले आईआरसीटीसी की वार्षिक आम बैठक में टेंडर वापस लेने के बारे में फैसला किया गया। आईआरसीटीसी के 10 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं, जिसमें से 7.5 करोड़ एक्टिव यूजर्स हैं। आईआरसीटीसी ने यात्रियों एवं माल उपभोक्ता आंकड़ों के मौद्रिकरण के लिए एक सलाहकार नियुक्त करने को लेकर निविदा जारी की थी, ताकि 1,000 करोड़ रुपए तक राजस्व जुटाया जा सके। आईआरसीटीसी के टेंडर दस्तावेज के अनुसार जिन आंकड़ों का अध्ययन करने की बात कही गई थी, उनमें विभिन्न सार्वजनिक एप्लीकेशन द्वारा दर्ज सूचनाएं शामिल थी। इस सूचनाओं में नाम, आयु, मोबाइल नंबर, पता, ईमेल आईडी, यात्रा की श्रेणी, लॉगइन, पासवर्ड आदि का ब्योरा शामिल था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 564.053 अरब डॉलर रहा

- 12 अगस्त को विदेशी मुद्रा भंडार 2.23 अरब डॉलर घटकर 570.74 अरब डॉलर रहा था

नई दिल्ली ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट आई है। इसी माह 19 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में यह 6.687 अरब डॉलर घटकर 564.053 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 12 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.23 अरब डॉलर घटकर 570.74 अरब डॉलर रहा था। 5 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में यह 89.7 करोड़ डॉलर घटकर 572.97 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले 29 जुलाई को खत्म हुए सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 2.315 अरब डॉलर बढ़कर 573.875 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक 19 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 5.779 अरब डॉलर घटकर 501.216 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.61 अरब डॉलर हो गया। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) में देश का स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.13 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.99 अरब डॉलर से अधिक हो गया। इसके अलावा गोल्ड रिजर्व का मूल्य 70.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.914 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में देश का एसडीआर 14.6 करोड़ डॉलर घटकर 17.987 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 4.936 अरब डॉलर रह गया।

ऋषभ को एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए भेजें : जयवर्धने

नई दिल्ली । श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने कहा है कि अब ऋषभ पंत को एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। महेला के अनुसार लोकेश राहुल लंबे समय से खेल से बाहर हैं ऐसे में उन्हें पारी की शुरुआत में दिक्कत आ सकती है। जयवर्धने का मानना है कि राहुल ने लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और ऐसे में उनके लिए वापसी आसान नहीं रहेगी। उन्होंने कहा, ' राहुल का कम खेलना भारत के लिए चिंता की बात हो सकती है। वह इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के बाद से बाहर थे। ऐसे में उनके लिए क्रीज पर समय जरुरी होगा। उन्हें जितना जल्दी मैच खेलने को मिले और वह जितना समय क्रीज पर बिताते हैं, उससे उनका मनोबल बढ़ेगा। इससे उन्हें और राष्ट्रीय टीम को फायदा मिलेगा।' पूर्व श्रीलंकाई कप्तान के अनुसार अगर राहुल वापसी पर प्रभाव नहीं छोड़ पाते हैं तो भारत को रोहित शर्मा के साथ बाएं हाथ के किसी बल्लेबाज को पारी की शुरुआत के लिए भेजना चाहिए। ऋषभ ने इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 2 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में पारी की शुरुआत की थी। इसलिए वह सबसे बेहतर रहेंगे। जयवर्धने ने कहा, 'पंत ने भले ही घरेलू स्तर पर पर्याप्त मौकों पर पारी की शुरुआत ना की हो लेकिन वह ऐसा करने में सक्षम हैं। वह किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करें, आप उनका खेल नहीं बदल सकते।

(दुबई) एशिया कप : 28 अगस्त को दुबई में आमने-सामने होंगे भारत और पाकिस्तान

दुबई ।

टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप से पहले सबसे बड़ी चुनौती को तैयार है। एशिया कप के मुकाबले आज से शुरू हो रहे हैं। कुल 6 टीमों को इसमें जगह दी गई है। भारत, पाकिस्तान, हांगकांग को ग्रुप-ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को ग्रुप-बी में शामिल किया गया है। भारतीय टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है और उसने सबसे अधिक 7 बार टूर्नामेंट के खिताब पर कब्जा किया है। पहले दिन 27 अगस्त को अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच मुकाबला होना है। 28 अगस्त को भारत और पाकिस्तान दुबई में आमने-सामने होंगे। टीम इंडिया को पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम से निपटने की चुनौती होगी। वह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से मात दी थी। उस मैच में बाबर आजम अर्धशतक लगाकर नाबाद रहे थे। 27 साल के बाबर आजम ने अब तक 74 टी20 इंटरनेशनल में 46 की औसत से 2686 रन बनाए हैं। एक शतक और 26 अर्धशतक लगाया है। वहीं ओवरऑल टी20 के 219 मैच में 45 की औसत से 7880 रन बनाए हैं। 6 शतक और 67 अर्धशतक ठोका है। यानी उनका रिकॉर्ड बेजोड़ है। भारतीय टीम को 31 अगस्त को ही ग्रुप राउंड के अंतिम मुकाबले में दुबई में ही हांगकांग से भिड़ना है। हांगकांग ने क्वालिफायर्स के तीनों मुकाबले जीते और मेन राउंड में जगह बनाई। इस दौरान टीम के धाकड़ बल्लेबाज बाबर हयात ने 6, नाबाद 53 और नाबाद 38 रन बनाए। यानी वे 2 मैच में आउट ही नहीं हुए। बाबर हयात का जन्म पाकिस्तान में ही हुआ। बाद में वे हॉन्गकॉन्ग चले गए। 30 साल के इस बल्लेबाज ने अब तक 32 टी20 इंटरनेशनल में 29 की औसत से 758 रन बनाए हैं। एक शतक और 4 अर्धशतक लगाया है। 122 रन की बेस्ट पारी खेली है। स्ट्राइक रेट 128 का है। उनका शतक इसलिए भी अहम है, क्योंकि अब तक विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल में शतक नहीं लगा सके हैं।

बाबर हयात के ओवरऑल टी20 करियर को देखें, तो उन्होंने 55 मैच में 25 की औसत से 1084 रन बनाए हैं। 5 बार 50 से अधिक रन बनाए हैं। इसमें एक शतक भी शामिल है। 80 चौके और 44 छक्के लगाए हैं। 9 बार वे नाबाद भी रहे हैं। टीम इंडिया टूर्नामेंट में रोहित शर्मा की अगुआई में उतर रही है। नया कप्तान बनने के बाद उन्होंने अब तक एक भी सीरीज नहीं गंवाई है। ऐसे में वे अपने इस रिकॉर्ड को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है।

स्वर्ण पदक से चूके सात्विक-चिराग, ब्रॉन्ज से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में निराश किया है। इस भारतीय जोड़ी को आरोन चिया और सोह वूई यिक की छठी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी को 20-22, 21-18, 21-16 से हराया। इसके साथ ही चिराग-सात्विक का गोल्ड का सपना टूट गया। इस भारतीय जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में इस बार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बेहद निराश किया। सिर्फ सात्विक-चिराग की जोड़ी पदक जीतने में सफल रही। सात्विक चिराग की हार के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का अभियान समाप्त हो गया।

यह सात्विक और चिराग की मलेशियाई जोड़ी के हाथों लगातार छठी हार है। इस महीने के शुरू में कॉमनवेल्थ गेम्स के मिक्स्ड टीम फाइनल में भी उन्हें इस जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बावजूद भारतीय जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और भारत का एक पदक सुनिश्चित किया। भारत ने 2011 के बाद इस

प्रतियोगिता में हमेशा पदक जीता है। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में युगल में दूसरा पदक है। इससे पहले ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने 2011 में महिला युगल में कांस्य पदक जीता था।

भारत का यह विश्व चैंपियनशिप में कुल मिलाकर 13वां पदक है। पीवी सिंधु ने 2019 में स्वर्ण पदक सहित इस प्रतियोगिता में कुल पांच पदक जीते हैं जबकि साइना नेहवाल ने एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया है। इनके अलावा किदांबी श्रीकांत ने रजत, लक्ष्य सेन, बी साई प्रणीत और प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीते हैं। इसके अलावा ज्वाला गट्टा-अश्विनी पोन्नपा वुमेंस डबल्स ब्रॉन्ज 2011 में खिताफ जीता था।

लुसाने डायमंड लीग जीत भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने रचा कीर्तिमान

नई दिल्ली । भारतीय गौरव ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर कीर्तिमान रच दिया। नीरज डायमंड लीग मीट के लुसाने चरण का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इसी के साथ वह सात और आठ सितंबर को ज्यूरिख में डायमंड लीग के फाइनल में भी पहुंच गए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय है। साथ ही उन्होंने हंगरी के बुडापेस्ट में 2023 में होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। 24 साल के नीरज चोपड़ा ने इस खिताब को हासिल करने के लिए पहले प्रयास में भाला 89.08 मीटर दूर फेंका। यह उनके करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास है। वह चोट के कारण बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग नहीं ले पाए थे। हरियाणा के पानीपत के रहने वाले चोपड़ा डायमंड लीग का कोई खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने हैं। चोपड़ा से पहले चक्का फेंक खिलाड़ी विकास गौड़ा डायमंड लीग मीट के शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले इकलौते भारतीय हैं। भारत की लिंथोई चानाम्बाम ने बोस्निया-हर्जेगोविना के साराजेवो में विश्व कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। लिंथोई टूर्नामेंट में किसी भी आयु वर्ग में पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन गयीं। मणिपुर की 15 साल की खिलाड़ी ने ब्राजील की बियांका रेस को पछाड़कर महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (सई) ने इस युवा एथलीट की उपलब्धि की जानकारी दी। जुलाई में लिंथोई ने बैंकाक में एशियाई कैडेट एवं जूनियर जूडो चैम्पियनशिप 2022 में 63 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का खाता खोला था।

फीका के एआईएफएफ पर प्रतिबंध हटने के फैसले को केंद्रीय खेल मंत्री फुटबॉल प्रशंसकों की जीत बताया

नई दिल्ली ।

विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा के अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर लगे प्रतिबंध को हटाने के फैसले को केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रशंसकों की जीत करार दिया। फीफा ने एआईएफएफ पर 11 दिन पहले 'तीसरे पक्ष के अनुचित प्रभाव' के कारण लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया है, इससे भारत को इस साल अक्टूबर में महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की मंजूरी भी मिल गई है। ठाकुर के मंत्रालय ने फीफा और सुप्रीम कोर्ट के बीच समन्वय बिठाकर प्रतिबंध को हटाने में अहम भूमिका निभाई। उच्चतम न्यायालय ने प्रशासकों की समिति (सीओए) का कार्यकाल समाप्त कर दिया था जो कि प्रतिबंध हटाने की पहली शर्त थी। ठाकुर ने ट्वीट किया, यह बात साझा करते हुए मैं प्रसन्न हूं कि फीफा परिषद के ब्यूरो ने एआईएफएफ पर लगाया गया प्रतिबंध तुरंत प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप अब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 से 30 अक्टूबर तक भारत में होगा। यह फुटबॉल प्रशंसकों की जीत है।'' फीफा ने 15 अगस्त को भारत पर प्रतिबंध लगाकर स्पष्ट किया था कि इसका मतलब भारत अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी नहीं कर सकता है। लेकिन अब भारत का इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने का रास्ता साफ हो गया है। एआईएफएफ के चुनाव अब दो सितंबर को होगा, जिसमें दिग्गज फुटबॉलर बाइचुंग भुटिया और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे अध्यक्ष पद के लिए आमने-सामने हैं। एआईएफएफ को 85 साल के उसके इतिहास में पहली बार प्रतिबंधित किया गया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तीन सदस्य प्रशासकों की समिति (सीओए) को बर्खास्त कर दिया था जिससे प्रतिबंध हटाने का रास्ता साफ हो गया था। सीओए की नियुक्ति मई में की गई थी ताकि भारत 11 से 30 अक्टूबर तक होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप का सुचारू रूप से मेजबानी कर सके। फीफा ने कहा, फीफा परिषद के ब्यूरो ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) तीसरे पक्ष के प्रभाव के कारण लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है,'' फीफा के यह पुष्टि प्राप्त करने के बाद कि एआईएफएफ कार्यकारी समिति की शक्तियों को ग्रहण करने के लिए स्थापित की गई प्रशासकों की समिति को भंग कर दिया गया है, यह फैसला किया गया।'' फीफा ने कहा,'' इसके परिणाम स्वरूप फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 से 30 अक्टूबर 2022 के बीच भारत में ही खेला जाएगा।'' विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि वह और एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) स्थिति पर निगरानी जारी रखेंगे और सही समय पर चुनाव कराने में एआईएफएफ की मदद करेंगे। एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर ने इस फैसले का स्वागत किया तथा फीफा, एएफसी और ठाकुर का उनकी भूमिकाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

पाम जुमैरह रिजॉर्ट में ठहरी हैं भारतीय टीम, एक दिन का किराया 30 हजार रुपये

दुबई । एशिया कप 2022 के लिए टीम इंडिया कमर कस चुकी है। भारतीय टीम 28 अगस्त को पहले मुकाबले में पाकिस्तान का सामना करेगी। भारत-पाकिस्तान की टीमें दुबई में ही हैं, लेकिन दोनों के ठहरने का स्थान अलग-अलग है। जहां रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी पाम जुमैरह रिजॉर्ट में ठहरे हुए हैं। वहीं पाकिस्तान सहित बाकी टीमें बिजनेस बे होटल में रुकी हुईं हैं। भारतीय टीम पहली बार पाम जुमैरह रिजॉर्ट में नहीं ठहरी है। पिछले साल हुए टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भी भारतीय प्लेयर्स पाम जुमैरह रिजॉर्ट में ही ठहरे थे। पाम जुमैरह का शुमार दुनिया के आलीशान होटल में किया जाता है। होटल के अंदर ही आप सभी आधुनिक सुविधाओं का लुत्फ उठा सकते हैं। 162 कमरे वाले पाम रिजॉर्ट जुमैरह के अंदर ही कई दुकानें हैं, जहां आप शॉपिंग कर सकते हैं. होटल में एक शानदार व्यू प्वाइंट है, जहां से पूरे दुबई शहर का नजारा दिखाई देता है। खास बात यह है कि होटल के पास अपना एक बीच भी है जो कि ठीक उसके सामने ही स्थित है। होटल के अंदर स्विमिंल पूल, वाटर स्पोर्ट्स, वीआईपी कैबाना, आउटडोर एंटरटेंमेंट फील्ड समेत कई सुविधाएं मौजूद हैं। होटल के अंदर ही 3डी एवं 4डीएक्स थिएटर्स भी मौजूद हैं। होटल के में कई रेस्तरां हैं जहां इंडियन से लेकर वेस्टर्न, कॉन्टिनेंटल और कई तरह की लजीज डिशेज मिलती हैं। यहां पर स्पा भी है, जहां मसाज से लेकर आईस बाथ तक की सुविधा है। इस होटल में एक दिन के ठहरने का किराया मिनिमम 30,000 रुपये है और सीजन में ये 50-80 हजार रुपये तक हो जाता है। 11 सितंबर तक चलने वाले एशिया कप में श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के अलावा हॉन्गकॉन्ग टीम भाग ले रही है। हॉन्गकॉन्ग ने चार देशों के क्वालिफायर टूर्नामेंट में टॉप स्थान हासिल कर एशिया कप के लिए टिकट हासिल किया था। हॉन्गकॉन्ग पहले भी एशिया कप में भाग ले चुका है।

भारतीय सेलेक्टर्स ने बर्बाद किए आर अश्विन के कई साल - सकलैन मुश्ताक

नई दिल्ली । पाकिस्तान टीम के कोच सकलैन मुश्ताक ने दावा किया है कि भारत ने ऑफ स्पिनर आर अश्विन के कई साल बर्बाद कर दिए हैं। अश्विन मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे सफल स्पिनर हैं। मगर 2017 में युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव की टीम इंडिया में एंट्री होने के बाद अश्विन को लिमिटेड ओवर फॉर्मेट से बाहर होना पड़ा था। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के दौरान इस गेंदबाज की फिर से वापसी की। 2010 में टी20 और वनडे टीम में डेब्यू करने वाले अश्विन ने अभी तक 113 वनडे और 54टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने कुल 215 विकेट लिए हैं। सकलैन मुश्ताक ने कहा मुझे अश्विन के लिए खेद है, क्योंकि मुझे समझ में नहीं आता कि उन्होंने उसे क्रिकेट से क्यों हटाया। उन्होंने उसके साल बर्बाद कर दिए। वह एक पूरा पैकेज है, क्योंकि वह बल्लेबाजी भी कर सकता है। दो तरह के क्रिकेटर होते हैं, जो इकॉनमी बनाए रखते हैं और दूसरे जो विकेटों के लिए जाल बिछा सकते हैं। मुझे लगता है कि अश्विन दोनों की भूमिकाएं बेहतर तरीके से निभा सकते हैं।

बेन स्टोक्स और फोक्स ने ठोके शतक, इंग्लैंड को पहली पारी के आधार मिली बड़ी बढ़त

मैनचेस्टर ।

बेन स्टोक्स ने बतौर कप्तान पहली बार टेस्ट में शतकीय पारी खेली। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में वापसी करने में सफल रहा। मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका पर 264 रन की बढ़त हासिल कर ली है। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 151 रन बनाए थे। बेन फोक्स 113 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने पहली पारी 9 विकेट पर 415 रन बनाकर घोषित कर दी। बेन स्टोक्स 163 गेंद पर 103 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के जड़े। 3 मैचों की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम 1-0 से आगे रही है। पहला टेस्ट उसने पारी से जीता था। अब इंग्लिश टीम सीरीज बराबर करना चाहेगी। मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को इंग्लैंड ने पहली पारी में 3 विकेट पर 111 रन से आगे खेलना शुरू किया। जैक क्रॉले 17 और जॉनी बेयरस्टो 38 रन बनाकर नाबाद थे। हालांकि बेयरस्टो अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। वे 63 गेंद पर 49 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 7 चौके लगाए। उनका विकेट एनरिक नॉर्किया को मिला। क्रॉले भी 38 रन बनाकर नॉर्किया का शिकार हुए। टीम ने 147 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में लगा कि साउथ अफ्रीका की टीम वापसी कर लेगी। 5 विकेट गिरने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स और विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स ने टीम को संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 324 गेंद पर 173 रन की साझेदारी की। स्टोक्स 103 रन बनाकर कैगिसो रबाडा का शिकार हुए। 320 रन पर छठा विकेट गिरने के बाद फोक्स और स्टुअर्ट ब्रॉड ने टीम संभाला। ब्रॉड ने 21 और ओली रॉबिनसन ने 17 रन बनाए। जैक लीच के 11 रन पर आउट होते हुए इंग्लैंड ने पारी घोषित कर दी। फोक्स 217 गेंद पर 113 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 9 चौके लगाए। एनरिक नॉर्किया ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए। बेन स्टोक्स का यह ओवरऑल टेस्ट करियर का 12वां शतक है। इस मुकाबले से पहले तक उन्होंने 84 मैच में 36 की औसत से 5320 रन बनाए थे। 11 शतक और 28 अर्धशतक लगाया था। इसके अलावा इस तेज गेंदबाज ने 32 की औसत से 185 विकेट भी अपने नाम किए हैं। 22 रन देकर 6 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन है।

एशिया कप फाइनल को लेकर पूर्व चैंपियन और कोच बोले- पाक नहीं, भारत-श्रीलंका के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली ।

एशिया कप क्रिकेट का मंच सज चुका है। इस टी20 टूर्नामेंट के मुख्य मुकाबले शनिवार से शुरू हो रहे हैं। भारतीय फैंस को जहां टीम इंडिया की जीत की उम्मीद है। वहीं पाकिस्तान या श्रीलंका के प्रशंसक अपनी टीमों के लिए यह दुआ कर रहे हैं। कयासबाजी और दावों के बीच भारत के पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच लालचंद राजपूत का कहना है कि इस बार भारत और श्रीलंका के बीच फाइनल खेला जा सकता है। एक बातचीत में उन्होंने यह भी बताया कि इस बार कौन सी टीम चैंपियन बन सकती है। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। एशिया कप-2022 के मुख्य मुकाबले शुरू होने में अब कुछ घंटों की ही देरी है। इससे पहले पूर्व क्रिकेटर लालचंद राजपूत ने इस दौरान एशिया कप से जुड़े हर सवाल के जवाब दिए। जैसे कि इस बार कौन सी टीम खिताब जीतने की सबसे तगड़ी दावेदार है। फाइनल किन टीमों के बीच खेला जाएगा। कौन सा खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट जीतने का दावेदार है। और एक सवाल वह भी जिस पर सबसे अधिक चर्चा हो रही है। यह सवाल विराट कोहली से जुड़ा था कि उनकी फॉर्म की बहस एशिया कप के बाद जारी रहेगी या खत्म हो जाएगी। यह सारी बात फेसबुक और यूट्यूब लाइव पर हुई। लालचंद राजपूत अफगानिस्तान टीम के कोच भी रह चुके हैं। इस नाते वे ना सिर्फ इस टीम के बारे में ज्यादा जानते हैं, बल्कि उनका लगाव भी होना स्वाभाविक है। राजपूत ने कहा कि अफगानिस्तान स्पिन अटैक बहुत दमदार है। अगर बांग्लादेश के बल्लेबाज अपनी टीम को 170-180 का स्कोर दे पाए तो फिर किसी भी टीम के लिए लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं हो पाएगा। भारत समेत सभी टीमों को अफगानिस्तान से सतर्क रहना होगा।

पाक फैन ने गले मिलने की इच्छा जताई तो रोहित ने उसे गले लगाकर जीता लोगों का दिल

दुबई । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक बार फिर सभी का दिल जीत लिया है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो इसमें पाकिस्तानी फैंस रोहित को आवाज लगाते हैं, जिसके बाद भारतीय टीम मैदान से बाहर उनसे मिलने पहुंच जाते हैं। रोहित ने फैंस से हाथ मिलाया। उसमें एक फैन ने गले मिलने की जिद की, लेकिन बीच में बैरियर था। इसके बाद भी रोहित ने उस फैन की इच्छा पूरी की। उस फैन ने कहा कि वह 10 साल से रोहित से मिलना चाहता था। भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के कप्तान बनने के बाद टी20 क्रिकेट में खेलने का तरीका बदल दिया है। अब बल्लेबाज पहली गेंद से अटैक करते हैं। कोई भी खिलाड़ी पिच पर सेट होने की कोशिश नहीं करता है। इंग्लैंड में टीम इसी रणनीति से उतरी और जीत हासिल की। वेस्टइंडीज में भी भारत के यही खेलने का तरीका था और टीम ने वहां भी जीत हासिल की। अब एशिया कप में भारत को पाकिस्तान के साथ ही बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका जैसी टीमों से खेलना है। इन टीमों के लिए टीम इंडिया को रोकना आसान नहीं होगा। भारत को पिछले दो एशिया कप में एक भी हार नहीं मिली है। दोनों बार टीम अजेय रहते हुए चैंपियन बनी थी।

एशिया कप में रनों की बारिश करता है रोहित और विराट का बल्ला

-भारत के शीर्ष 5 बल्लेबाजों ने बनाए हैं सर्वाधिक रन

नई दिल्ली ।

एशिया कप में भारत सफल 5 बल्लेबाजों में पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर शीर्ष पर हैं। सचिन ने देश के लिए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 1990 से 2012 के बीच 23 मैच खेलते हुए 21 पारियों में 51.10 की औसत से 971 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो शतक और सात अर्द्धशतकीय पारियां निकली हैं। सचिन का एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 114 रन है। दूसरे स्थान पर भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा का नाम आता है। शर्मा का भी इस टूर्नामेंट में जमकर बल्ला चलता है। 'हिटमैन' शर्मा ने एशिया कप में भारतीय टीम के लिए 2008 से अब तक 27 मैच खेलते हुए 26 पारियों में 42.04 की औसत से 883 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और साथ अर्द्धशतकीय पारियां निकली हैं। एशिया कप में उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन नाबाद 111 रन है।

भारत के लिए इस टूर्नामेंट में तीसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैं। कोहली ने एशिया कप में भारतीय टीम के लिए 2010 से अबतक 16 मैच खेलते हुए 14 पारियों में 63.83 की औसत से 766 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और दो अर्द्धशतकीय पारियां निकली हैं। एशिया कप में उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन 183 रन है। चौथे स्थान पर देश के पूर्व महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का नाम आता है। धोनी ने एशिया कप में भारतीय टीम के लिए 2008 से 2018 के बीच 24 मैच खेलते हुए 20 पारियों में 69.00 की औसत से 690 रन बनाए हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उनके नाम एक शतक और तीन अर्द्धशतक दर्ज है। धोनी का एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन नाबाद 109 रन है।

पांचवें स्थान पर अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम आता है। हालांकि एशिया कप 2022 के लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। धवन ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 2014 से अब तक 13 मैच खेलते हुए 13 पारियों में 51.08 की औसत से 613 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो शतक और तीन अर्द्धशतकीय पारियां निकली हैं।

बता दें एशिया कप 2022 के मुख्य मुकाबले 27 अगस्त से शुरू हो गए हैं। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का पहला मुकाबला श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच दुबई स्थित दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम 28 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। भारत का पलड़ा इस टूर्नामेंट में हमेशा से ही भारी रहा है।

जापान में बीडब्लूएफ विश्व चैंपियनशिप 2022 में चीन की चेन युफेई के खिलाफ महिला एकल क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान कनाडा की मिशेल ली रिटर्न शॉट मारती हुईं।

आठ साल में केवल खादी से पौने दो करोड़ नए रोजगार मिले : पीएम मोदी

अहमदाबाद। गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आठ साल के भीतर केवल खादी से पौने दो करोड़ रोजगार मिले हैं। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत अहमदाबाद के रिवरफ्रंट पर आयोजित खादी महोत्सव में पीएम मोदी शामिल हुए और 1500 महिलाओं के साथ चरखा चलाया और कहा कि विश्व में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक साथ 1500 महिलाओं ने चरखा चलाया है। खादी उत्सव में शामिल महिलाओं ने सफेद साडी पर ट्राई कलर का वस्त्र पहन रखा था। खादी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साबरमती का यह किनारा आज धन्य हो गया है। आजादी के 15 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 1500 बहन-बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत कातकर नया इतिहास रच दिया है। 8 वर्ष में केवल खादी से पौने दो करोड़ रोजगार मिले हैं। खादी फोर नेशन और खादी फोर फैशन के संकल्प में अब खादी फोर ट्रांसफोर्मेशन का संकल्प भी शामिल कर लिया है। देशभर में खादी से जुड़ी समस्याओं का निपटारा कर दिया गया है, जिसका परिणाम आज दुनिया देख रही है। इस मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे आनेवाले त्यौहारों में इस बार खादी ग्रामोद्योग में बना उत्पाद ही उपहार में दें। आप के पास अलग अलग तरह के फैब्रिक से बने कपड़े हो सकते हैं, लेकिन उसमें आप खादी को भी जगह देंगे, तो वोकल फोर लोकन अभियान को गति मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि 15 अगस्त को लाल किले से मैंने पंच प्रणों की बात कही थी। साबरमती के तट पर इस पुण्य जगह पर मैं पंच प्रणों को फिर दोहराना चाहता हूं। पहला -देश के सामने विराट लक्ष्य, विकसित भारत बनाने का लक्ष्य, दूसरा ङ्क गुलामी की मानसिकता का पूरी तरह त्याग, तीसरा- अपनी विरासत पर गर्व, चौथा- राष्ट्र की एकता बढ़ाने का पुरजोर प्रयास और पांचवा ङ्कनागरिक कर्तव्य। पीएम मोदी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि खादी का एक एक धागा आजादी के आंदोलन की ताकत बन गया। उसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया। खादी का वही धागा विकसित भारत के प्रण को पूरा करने का आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का प्रेरणा स्रोत बन सकता है। पीएम मोदी आज साबरमती रिवरफ्रंट पर बने अटल फूट ब्रिज का भी उदघाटन किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि अटल ब्रिज साबरमती नदी के दो किनारों को ही आपस नहीं जोड़ रहा है, बल्कि ये डिजाइन और इनोवेशन में भी अभूतपूर्व है। इसकी डिजाइन में गुजरात के मशहूर पतंग महोत्सव का भी ध्यान रखा गया है।

आवारा पशुओं को लेकर सरकार हुई सख्त, अहमदाबाद पुलिस ने जारी की अधिसूचना

अहमदाबाद। शहर समेत राज्यभर में आवारा पशुओं के आंतक के मुद्दे पर गुजरात हाईकोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई गई। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सरकार हरकत में आ गई है और आवारा पशुओं की समस्या से निपटने की कार्यवाही शुरू कर दी है। अहमदाबाद पुलिस भी पशु पकड़ने वाली टीम की मदद में आ गई है। अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव ने एक अधिसूचना जारी कर पशु पकड़ने वाली टीम को मदद करने की जिम्मेदारी सौंपी है। साथ ही शहर में आम रास्तों पर घासचारा बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है और इसकी बिक्री करने वालों को पकड़ने का आदेश जारी किया है। पुलिस आयुक्त ने एसीपी को फिल्ड में मौजूद रहकर इस दिशा में ठोस कार्यवाही का आदेश दिया है। पुलिस की अधिसूचना के मुताबिक 26 अगस्त से 1 सितंबर तक आम रास्तों पर घासचारा बेचने वालों को पकड़ने का आदेश दिया है। अधिसूचना का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी मामला दर्ज करने का आदेश दिया गया है। डीसीपी को सुपर विजन करने का आदेश दिया है। शहर में दुर्घटनाओं का प्रमाण कम करने के लिए सोला और नवरंगपुरा को आवारा पशु मुक्त करने का आदेश है। बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट ने आवारा पशुओं के मामले में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गुजरात स्टेट लिगल सर्विस ऑथोरिटी को भी एक रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट की लताड़ के बाद अहमदाबाद महानगर पालिका हरकत में आ गई है और आवारा पशुओं की पकड़ने की कार्यवाही युद्धस्तर पर शुरू कर दी है। आम रास्तों पर जहां कहीं भी आवारा पशु नजर आते हैं उन्हें पकड़ा जा रहा है।

सुमिल केमिकल इंडस्ट्री लिमिटेड ने लांच किया ब्लैक बेल्ट कीटनाशक

अहमदाबाद। सुमिल केमिकल इंडस्ट्रीज ने हाल ही में अपना पेटेंट कीटनाशक ब्लैक बेल्ट गुजरात में लांच किया। इस अवसर पर सुमिल केमिकल इंडस्ट्रीज के निर्देशक श्री सुकेतु जोशी ने कहा कि ब्लैक बेल्ट एक नई ड्राई कैब टेक्नोलॉजी से बना उत्पाद है, जिसके माध्यम से कीटनाशक के सभी एक्टिव रसायन सुरक्षित एक पॉलीमर कैप्सूल में बंद रहते हैं। यह रसायन ड्राई कैप के माध्यम से पौधों की पत्तियों पर उचित समय के साथ उचित मात्रा में पहुंचते हैं। जिससे कि पौधों को कीड़ों से सुरक्षित रखा जा सके। इस तरह ब्लैक बेल्ट पौधों से अलग-अलग प्रजाति की सूड़ियों का नियंत्रण करता है।

ब्लैक बेल्ट अलग-अलग प्रकार के कीटो और अलग-अलग प्रकार की फसलों पर कारगर है जिस में धान कपास मूंगफली गन्ना सोयाबीन के साथ-साथ टमाटर गोभी मिर्ची और प्याज की फसलें भी शामिल है।

श्री सुकेतु दोषी सुनील केमिकल इंडस्ट्रीज के निर्देशक ने कहा कि ब्लैक बेल्ट एक अद्वितीय संकल्पना है जिसमें कंपनी की पेटेंट की हुई ड्राई कैब टेक्नोलॉजी है जो वर्तमान में बाजार में उपलब्ध अधिक जहरीले तरल फॉर्मूलेशन का एक सुरक्षित विकल्प है।

ब्लैक बेल्ट पानी में बोलने वाला कीटनाशक है और इसे निर्धारित मात्रा में ही उपयोग किया जाना चाहिए। इसे पानी में मिलाकर पौधों पर निर्धारित समय पर छिड़काव करने से इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिलता है। ब्लैक बेल्ट पौधे की सतह पर समान रूप से फैलता है और जल्दी निर्धारित कीटों का नियंत्रण करता है।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद में फूट ऑवर ब्रिज का उदघाटन करते हुए अटलजी को किया याद

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अहमदाबाद में साबरमती नदी पर बने 300 मीटर लंबे और 100 मीटर चौंडे अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को याद किया। दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए पीएम मोदी साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित खादी उत्सव में शामिल हुए और उसके बाद अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण किया। पीएम मोदी ने फूट ऑवर ब्रिज पर चहलकदमी भी की। इस मौके पर पीएम मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत पार्टी नेता उपस्थित रहे। अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा तैयार किए गए अटल फूट ऑवर ब्रिज का लोकार्पण करते हुए पीएम मोदी ने अटल जी को याद किया। मोदी ने कहा कि अटल जी ने गुजरात को काफी प्यार दिया है। अटल जी 1996 में गांधीनगर से चुनाव जीते थे। उन्होंने कहा कि यह फूट ऑवर ब्रिज केवल साबरमती नदी के दोनों किनारों को ही नहीं जोड़ता बल्कि ब्रिज की एक विशेषता भी है। विशेषता यह है कि ब्रिज बनाने में पतंग महोत्सव का खास ध्यान रखा गया है। गौरतलब है अहमदाबाद के एलिस ब्रिज और सरदार ब्रिज के बीच बने 300 मीटर लंबे और 100 मीटर चौंड़े आइकोनिक ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। रु. 75 करोड़ की लागत से बने इस ब्रिज के निर्माण में 2700 टन स्टील का पयोग किया गया है। फूट ऑवर ब्रिज पर आरसीसी का फ्लोरिंग और स्टेनलेस स्टील तथा ग्लास रेलिंग का उपयोग किया गया है।

ब्रिज के छोर पर पतंग आकार का स्कल्पचर तैयार किए गए हैं। ब्रिज पर कलर चैंज हो सके ऐसी डाइनेमिक एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। साबरमती के पूर्व और पश्चिम किराने को जोड़ने वाले इस ब्रिज का निर्माण अहमदाबाद महानगर पालिका किया है। जिसमें 10 मीटर से 14 मीटर की चौंडाई में लोगों के बैठने की भी व्यवस्था की गई है। यहां आने वाले लोगों के लिए खान-पान के स्टॉल की व्यवस्था किए जाने की आयोजन है। साथ ही ब्रिज के पूर्व और पश्चिम छोर पर मल्टीलेवल कार पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगी। अटल फूट ऑवर ब्रिज से अहमदाबाद की सुंदरता में वृद्धि हुई है।

लेट्स स्पेक इंग्लिश एकेडमी ने तीन दिवसीय नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया

विद्यार्थियों को सामाजिक कुरीतियों के प्रति दिया जागरुकता संदेश

सूरत भूमि, सूरत। लेट्स स्पेक इंग्लिश एकेडमी द्वारा 25, 27 और 29 अगस्त को नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया है। जिसमें छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर नाटक प्रस्तुत किए जा रहे हैं और सामाजिक जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

नुक्कड़ नाटक में 6 से 17 साल के छात्रों ने हिस्सा लिया है। छात्र लैंगिक रूढ़विादिता, बदमाशी, इंटरनेट, धोखाधड़ी, लिंग भेदभाव, स्थायी जीवन, अंग दान, सोशल मीडिया, मानसिक स्वास्थ्य, बाल श्रम और रंग भेदभाव पर नाटक प्रस्तुत कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के पीछे का उद्देश्य बच्चों को कम उम्र से ही विभिन्न कलाओं में पारंगत बनाना और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक करना है।

सूरत। वीर नर्मद विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति के योगदान पर पहली बार विस्मरणीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के चेयरमैन हर्ष चौहान ने अध्यक्ष के स्थान पर जनजाति नायको के योगदान के विषय पर मार्गदर्शन किया। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के चेयरमैन हर्ष चौहान ने अध्यक्ष के स्थान पर स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के दिए हुए योगदान और बलिदान के बारे में सब को बताया। इसी के साथ पूरे देश में 100 से अधिक विश्वविद्यालय में समाज के युवा धन को आजादी के लड़वैया के साथ जनजाति समाज के योगदान के विषय में जानकारी दी।

आईईएक्स पावर मार्केट अपडेट, जुलाई 2022

नई दिल्ली । इंडियन एनर्जी एक्सचेंज ने जुलाई 22 में 7151 एमयू वॉल्यूम हासिल किया, जिसमें पारंपरिक बिजली बाजार में 6088 एमयू, ग्रीन पावर मार्केट में 589 एमयू और आरईसी मार्केट में 475 एमयू (4.75 लाख सर्टिफिकेट) शामिल हैं, जिसमें साल-दर-साल आधार पर सभी बाजार खंडों में 1.7त्न की गिरावट आई है ।

नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर द्वारा प्रकाशित बिजली की मांग के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई च्22 के दौरान 128 बीयू में ऊर्जा की खपत में सालाना आधार पर 2.3त्न की वृद्धि देखी गई, जबकि जून्ज्22 में 4त्न की गिरावट दर्ज की गई। अच्छे मानसून के कारण 190 जीडब्ल्यू पर राष्ट्रीय शिखर मांग 5त्न साल दर साल और महीने दर महीने आधार पर 10त्न कम थी। मांग में कमी के कारण, डे -अहेड मार्केट में समाशोधन मूल्य जून्ज्22 में 6.49 प्रति यूनिट से घटकर रु. 5.41 प्रति यूनिट जुलाईज्22 में।

इलेक्ट्रिसिटी मार्केट = डे-अहेड, टर्म-अहेड और रीयल-टाइम मार्केट

3517 एमयू के डे-अहेड मार्केट वॉल्यूम में महीने के दौरान सालाना आधार पर 17त्न की गिरावट देखी गई। बाजार समाशोधन मूल्य रु. 5.41 प्रति यूनिट जो एमओएम के आधार पर 17त्न कम थी। आपूर्ति की कमी के कारण, समाशोधन मूल्य पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 84त्न अधिक था।

रियल-टाइम इलेक्ट्रिसिटी मार्केट ने महीने के दौरान 2131 एमयू वॉल्यूम हासिल किया, जो कि 34त्न साल-दर-साल की वृद्धि दर्ज करता है। 89.16 एमयू की उच्चतम एकल-दिवस मात्रा 20 जुलाई'22 को हासिल की गई थी।

टर्म-अहेड मार्केट में इंट्रा-डे, आकस्मिकता, दैनिक और साप्ताहिक अनुबंध शामिल हैं, जिसमें महीने के दौरान 440 एमयू का कारोबार हुआ, जिसमें 42त्न की कम वृद्धि दर्ज की गई।

ग्रीन मार्केट-डे-अहेड और टर्म-अहेड मार्केट

आईईएक्स ग्रीन मार्केट में डे-अहेड और टर्म-अहेड मार्केट सेगमेंट शामिल हैं, जिन्होंने जुलाई 22 के दौरान 13त्न की गिरावट दर्ज करते हुए 589 एमयू वॉल्यूम हासिल किया।

ग्रीन डे-अहेड मार्केट ने 4.63 रुपये प्रति यूनिट के भारित औसत मूल्य के साथ 446 एमयू की मात्रा हासिल की और महीने के दौरान 169 बाजार सहभागियों की भागीदारी देखी गई। एक दिन में सबसे ज्यादा प्रतिभागियों की संख्या 12 जुलाई को 116 थी।

ग्रीन टर्म-अहेड मार्केट ने 142 एमयू वॉल्यूम हासिल किया और 18 मार्केट सहभागियों की भागीदारी देखी गई। सोलर का औसत मासिक मूल्य 3.39 रुपये प्रति यूनिट था जबकि गैर-सौर हरित ऊर्जा का औसत मासिक मूल्य 5.78 रुपये प्रति यूनिट था।

हरियाणा, दमन और दीव सहित राज्यों की प्रमुख वितरण उपयोगिताओं - दादरा और नगर हवेली, तेलंगाना, गुजरात, पंजाब के साथ-साथ कई औद्योगिक उपभोक्ताओं ने महीने के दौरान एक्सचेंज के ग्रीन मार्केट में भाग लिया।

रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट मार्केट (आरईसी मार्केट)

बुधवार, 27 जुलाईज्22 को आयोजित आईईएक्स के कारोबारी सत्र में कुल 4.75 लाख आरईसी को मंजूरी दी गई। वॉल्यूम में 3.08 लाख गैर-सौर आरईसी शामिल हैं, जिनका समाशोधन मूल्य 1,000 रुपये प्रति आरईसी और 1.67 लाख सौर आरईसी है और समाशोधन मूल्य रु. 1100 प्रति आरईसी।एक्सचेंज में अगला आरईसी ट्रेडिंग सत्र बुधवार 31 अगस्त 2022 को निर्धारित है।

शेमारुमी पर चल रही है करुणाल, रिद्धि और केविन की जुगलबंदी, आज देखें फिल्म नाडीदोष

फेस्टिव सीजन चल रहा है। गुजराती लोग पूरे मन से त्योहार मनाने में लगे हैं। तो, गुजराती का पसंदीदा ओटीटी प्लेटफॉर्म शेमारूमी अपने दर्शकों के लिए एक मजेदार और हल्का उपहार लेकर आया है। त्योहारों के मौसम में हंसने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि इस साल की सबसे बड़ी हिट नाडीदोष शेमारुमी पर स्ट्रीम हो रही है। सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब 'नाडीदोष ' शेमारुमी को आपके ड्राइंग रूम में, आपके मोबाइल पर ले आया है। इस फिल्म की तारीफ आपने अपने आसपास के लोगों से तो सुनी ही होगी। फिल्म जैसा कि इसके नाम से पता चलता है नाडीदोष यह एक हल्की-फुल्की सिचुएशनल कॉमेडी है। रिद्धि केविन से प्यार करता है क्योंकि वे एक ही ऑफिस में साथ काम करते हैं। बहन की खुशी में रिद्धि का सुपरकूल भाई भी खुश है।

हमारे समाज में नाडीदोष को बहुत गंभीरता से लिया जाता है। फिर यह फिल्म उसी मुद्दे पर धीरे से प्रकाश डालती है। नए जमाने की ये लव स्टोरी खासकर युवाओं को काफी पसंद आ रही है। देखना होगा कि पारिवारिक विश्वास और युवा प्रेम में से कौन जीतता है। चाहे कोई भी दोष हो, लेकिन शादी के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता प्यार है और अगर प्यार है तो सब कुछ संभव है, नाड़ीदोष यह बहुत ही आसानी से सभी को बता देता है। साथ ही पहली बार किसी गुजराती फिल्म में आपको गोवा के खूबसूरत नजारों का भी लुत्फ उठाने को मिलेगा। छेलो दिवस जैसी पथप्रदर्शक फिल्म देने वाले निर्देशक कृष्णदेव याज्ञनिक ने च्नाडीदोष च् की कहानी लिखी और निर्देशित की है। फिल्म में यश सोनी और जानकी बोडीवाला के साथ सुपरकूल भाई के रूप में रौनक कामदार का एक पावरपैक प्रदर्शन है। तो फिल्म में आशीष कक्कड़, प्रशांत बरोट और दीपिका रावल जैसे वरिष्ठ कलाकार भी हैं। शेमारुमी गुजराती मनोरंजन क्षेत्र में सबसे बड़ा और नवीनतम सामग्री मंच है। शेमारूमी पर हर हफ्ते कोई न कोई फिल्म, वेबसीरीज या ड्रामा रिलीज हो रही है।500 से अधिक गुजराती नाटकों, फिल्मों, वेबसीरीज के साथ यह दुनिया का एकमात्र मंच है। अच्छी बात यह है कि शेमारुमी पर आप दुनिया के किसी भी कोने से अपनी भाषा में मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)